आई.एस.ओ.9001:2000 अवार्ड प्राप्त

यश भारत

नये जमाने के साथ

● वर्ष- 16 अंक 200-● जबलपुर ● मंगलवार, 23 अगस्त, 2022 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ-8 ● भाद्रपद कृष्ण पक्ष-12 ● विक्रम संवत् 2079 शके 1935

राज्यसभा सांसद विवेक तंखा ने सरकार को घेरा

भारी बारिश को लेकर बोले- बाढ़ की नहीं भ्रष्ट मध्यप्रदेश की तस्वीर आ रही सामने

जबलपुर यश भारत। जबलपुर सहित प्रदेश में हो रही भारी बारिश के बाद जनजीवन प्रभावित हो गया हैं। इसी बीच राज्यसभा सांसद विवेक तंखा ने सरकार पर ट्वीट करते हुए निशाना साधा हैं। उन्होंने कहा भारी बारिश के कारण मध्य प्रदेश के कई भागों में लोगों का जनजीवन प्रभावित हो गया है। जबलपुर सहित संपूर्ण मध्य क्षेत्र में नदी-नाले उफान पर हैं। बांध रोड पुलिया क्वालिटी के अभाव में बुरी स्थिति पर है। इस प्रकार के दृश्य देख कर मध्य प्रदेश की हालत क्या है, यह देखा जा सकता है। तस्वीरें नए मध्यप्रदेश की नहीं बल्कि भ्रष्टाचार में लिप्त प्रदेश की तस्वीर हैं। जो सामने आ रही है। भोपाल में 18 घंटे से लाइट नहीं है गृहमंत्री का कार्यक्रम जनरेटर के भरोसे हो रहा है। राज्यसभा सांसद विवेक तंखा ने कहा पिछले दिनों से लगातार हो रही बारिश के चलते प्रदेश के कई हिस्से बाढ़ ग्रस्त हो गए है। कई इलाकों में पानी भर चुका है। वहीं कुछ नेशनल हाईवे का संपर्क भी दूसरे जिलों से भी टूट चुका है। जबलपुर में भी निचली बस्तियों में पानी भर गया है। बरगी बांध के 21 गेटों में से 17 गेटों को खोला गया हैं। जिसके कारण नर्मदा नदी उफान पर चल रही है। जिले के कई इलाके डूब चुके हैं। वहीं कुछ घर की दीवारें भी क्षतिग्रस्त हो चुकी है। जिसके कारण लोगों को सामुदायिक भवन में भी ठहराया गया है।

एम्स में भर्ती राज्यपाल मंगुभाई पटेल की हालत स्थिर

भोपाल, । कोरोना संक्रमण के चलते एम्स में भर्ती राज्यपाल मंगुभाई पटेल की हालत फिलहाल स्थिर है। फेफड़े में संक्रमण की वजह से उनका आक्सीजन का स्तर 93 प्रतिशत तक पहुंच गया था। उन्हें पहले दिन से ही दो से तीन लीटर प्रति मिनट की दर से आक्सीजन दी जा रही है। सोमवार को उनका आक्सीजन का स्तर 95 प्रतिशत रहा। बता दें कि करीब पांच दिन से उन्हें सर्दी, जुकाम, बुखार के साथ सांस लेने में तकलीफ थी। शनिवार रात नौ बजे उन्हें एम्स में भर्ती कराया गया था। यहां रविवार को हुई जांच में वह कोरोना से संक्रमित पाए गए थे। उनका संक्रमण दूर करने के लिए एंटीबायोटिक दवाएं दी जा रही हैं।

एमपी में शिवना नदी उफान पर, दूसरी बार भगवान पशुपतिनाथ जलमग्न

मप्र, राजस्थान और हिमाचल में बाढ़ से हाहाकार

नई दिल्ली, भोपाल,एजेंसी, यशभारत। देश के कई राज्यों में बारिश ने रौद्र रूप धारण कर लिया है। मध्यप्रदेश, राजस्थान और हिमाचल में तो बाढ़ जैसी स्थिति हो गई है। राजस्थान में 200 और मध्यप्रदेश में करीब 60 से अधिक डैम ओवरफ्लो हो गए हैं। रिहायशी इलाकों में पानी घुसने से कई लोग बेघर हो गए हैं। सभी को सुरक्षित जगह पर पहुंचाया जा रहा है। वहीं उत्तर प्रदेश में गंगा खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। प्रयागराज में कई लोगों के घरों में पानी घुस गया है। बिहार की राजधानी पटना में घाट डूब गए हैं। हिमाचल प्रदेश में फ्लैश फ्लड और लैंड स्लाइड की 36 घटनाओं में 22 लोगों की जान चली गई है। इन सभी राज्यों में मंगलवार के लिए भी भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। यानी अगले 48 घंटे बारिश से राहत मिलने के आसार नहीं हैं। **भोपाल जबलपुर समेत 11 जिलों में आज स्कूलों में छुट्टी** - प्रदेश में लगातार हो रही बारिश की स्थिति को देखते हुए भोपाल, इंदौर, जबलपुर, उज्जैन, रतलाम, सागर, विदिशा, अशोकनगर और शिवपुरी जिले में आज मंगलवार को स्कूलों में छुट्टी घोषित की गई है। इसके अलावा आगर मालवा, नर्मदापुरम और देवास जिले में भी मंगलवार को स्कूलों की छुट्टी की गई है ।

भोपाल के बैरसिया में दो गांव बने टापू- भोपाल की बैरसिया तहसील अंतर्गत आने वाले हिंगोनी और जनकपुरी गांव टापू बन गए हैं। पानी लगातार बढ़ रहा है। इसके चलते लोगों ने घरों की छतों पर या उचाई पर शरण ले ली है। लगभग 300 लोग पानी में फंसे हुए हैं। प्रशासन और पुलिस मौके पर है। बोट की मदद से रेस्क्यू किया जा रहा है। बैरसिया तहसीलदार आलोक पारे एसडीओपी के के वर्मा और थाना प्रभारी गिरीश त्रिपाठी सहित प्रशासन और पुलिस का अमला ग्रामीणों को रेस्क्यू करने में लगा हुआ है।

सीएम ने कलेक्टरों को अलर्ट रहने के दिए निर्देश

मध्यप्रदेश में भारी बारिश के बीच मौसम विभाग ने कई जिलों में भारी से भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सीएस, एसीएस राजौरा के साथ बैठक कर प्रदेश में लगातार हो रही बारिश को लेकर चर्चा की। सीएम ने सभी कलेक्टरों को बारिश और बाढ़ को लेकर अलर्ट रहने के निर्देश दिए हैं। अगले 24 घंटे में उज्जैन संभाग और राजगढ़ जिले के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है। यहां अति भारी से अति भारी बारिश की संभावना है। ग्वालियर, नर्मदापुरम, इंदौर संभाग और भोपाल संभाग के कुछ जिलों के अलावा रायसेन, भोपाल, सीहोर में भी अति भारी बारिश होगी। चंबल, सागर और जबलपुर संभाग में भारी बारिश की संभावना जताई गई है। इधर, अशोकनगर में कार समेत 5 लोग बह गए। जिससे कार में सवार सरपंच की मौत हो गई, वहीं एक व्यक्ति लापता हैं। बाकी तीन लोगों ने पेड़ों को पकड़कर अपनी जान बचाई। विदिशा के लटेरी में इस्लाम नगर में बना डैम बारिश के चलते फूट गया। इससे 6-7 गांवों में फसलें बर्बाद हो गई।

सरकार ने मांगी वायुसेना की मदद

विदिशा पहुंचे दो हेलिकॉप्टर

बारिश के कहर के बीच मध्य प्रदेश सरकार के निवेदन पर भारतीय वायुसेना विदिशा में आपदा राहत कार्य के लिए दो हेलिकॉप्टर तैनात किए हैं। नागपुर डिफेंस पीआरओ ने इस संबंध में ट्वीट कर जानकारी दी है। नागपुर डिफेंस पीआरओ ने ट्वीट कर कहा, च्मानवीय सहायता और आपदा राहत कार्यों के लिए मध्य प्रदेश सरकार के अनुरोध के पर भारतीय वायुसेना विदिशा में दो मीडियम लिफ्ट हेलीकॉप्टर एमआई-17 वी5 तैनात करेगी।ज्र विदिशा में लगातार भारी बारिश के बीच जिला प्रशासन ने बड़ी संख्या में गांवों के पानी से घिरे होने के चलते वायु सेना से मदद मांगी थी। विदिशा कलेक्टर उमाशंकर भार्गव ने बताया कि आवश्यकता पड़ने पर वायु सेना के और विमान बुलाए जाएंगे। विदिशा जिले में लगातार भारी बारिश के बीच बेतवा नदी खतरे के निशान के बराबर चल रही है। अनेक नदियों के सीमावर्ती इलाकों में मुनादी कर बस्तियों को खाली करा कर लोगों को राहत शिविरों में पहुंचाया जा रहा है। बेतवा का जलस्तर तेज़ी से बढ़ रहा है, जिससे विदिशा के 70 गांवों के लोगों को सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट करने का कार्य चल रहा है। विदिशा में एनडीआरएफ की तीन टीमें भी तैनात हैं।

भाजपा विधायक टी. राजा पर पैगंबर के अपमान का आरोप, सिर तन से जुदा के लगे नारे

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना के भाजपा विधायक टी. राजा सिंह एक बार फिर से मुश्किल में हैं। उनके खिलाफ आज सुबह ही हैदराबाद पुलिस ने कथित तौर पर पैगंबर मोहम्मद का अपमान करने वाला बयान देने का आरोप लगा है। इस मामले में पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। मुस्लिम समुदाय के लोगों का गुस्सा भी भड़क गया है। हैदराबाद के कमिश्नर ऑफिस के बाहर बड़ी संख्या में मुस्लिम इकट्ठा हुए और उन्होंने सिर तन से जुदा के नारे लगाते हुए टी. राजा सिंह की गिरफ्तारी की मांग की थी। गोशामहल सीट से विधायक टी. राजा सिंह ने हाल ही में एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया था, जिसे लेकर यह विवाद तेज हुआ है। इस वीडियो के बाद उनके खिलाफ बड़ी संख्या में मुस्लिमों ने प्रदर्शन किया है। बड़ी संख्या में लोगों ने दबीरपुरा, भवानीनगर, रीनबाजार और मीरचौक पुलिस स्टेशन को घेरकर प्रदर्शन किया। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में टी. राजा सिंह ने कहा था कि आप लोग हमारे भाईयों के गले काटते हो और वीडियो जारी करते हो। सोचो यदि हिंदू भाई भी ऐसा ही करते हैं तो फिर आप लोगों का क्या होगा। उन्होंने कॉमेडियन मुनव्वर फारूकी का जिक्र करते हुए कहा था कि उसने कॉमेडी के नाम पर माता सीता और भगवान राम का अपमान किया था।

पुलिस ने किया अरेस्ट

कोई भगवान नहीं हैं ब्राह्मण, JN की कुलपति ने भगवान शिव को बताया SC या ST

नई दिल्ली, एजेंसी। अभी तक इंसानों की जाति को लेकर बहस चलती थी अब देवी देवताओं की जाति को लेकर भी कई बयान सामने आते रहते हैं। इसी कड़ी में जवाहर नेहरू विश्वविद्यालय की कुलपति ने देवी देवताओं की जाति को लेकर अपना मत जाहिर किया है। उनका मानना है कि देवी-देवता ऊंची जाति के नहीं हैं। यहां तक कि उन्होंने यह भी कहा कि भगवान शिव भी एससी एसटी के हो सकते हैं। दरअसल, जवाहर नेहरू विश्वविद्यालय की कुलपति शांतिश्री धुलिपुड़ी ने अंबेडकर व्याख्यान श्रृंखला में अंबेडकर के विचार जेंडर जस्टिस- डिकोडिंग द यूनिफॉर्म सिविल कोड में व्याख्यान देते हुए अपने विचार रखे हैं।

रेवड़ी कल्चर पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई

भाजपा और दूसरी सभी पार्टियां एक सभी को मुफ्त की घोषणाएं चाहिए

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने फ्री बिजली-पानी, मुफ्त राशन और लैपटॉप जैसी घोषणाओं पर मंगलवार को सुनवाई शुरू की। अदालत ने कहा कि हम लोगों और अर्थव्यवस्था की भलाई के लिए इस मुद्दे को सुन रहे हैं और ये बेहद जरूरी है। सीजेआई एनवी रमना ने कहा कि रेवड़ी कल्चर पर सभी पार्टियां, भाजपा और दूसरी सारी पार्टियां एक साथ हैं। सभी मुफ्त की घोषणाओं के फेवर में हैं। इससे पहले, सुनवाई के दौरान इस बात पर भी बहस शुरू हुई कि अगर हर चीज को फ्रीबीज की कैटेगरी में शामिल कर लिया जाए, तो गरीबों को मिलने वाले मुफ्त इलाज, शिक्षा और सब्सिडाइज्ड राशन पर भी ब्रेक लग जाएगा। अब कोर्ट यह तय करेगा कि वेलफेयर स्टेट यानी कल्याणकारी राज्य लोगों को इनमें से कौन सी सुविधाएं दे सकता है और किन चीजों को सीजेआई या आसान शब्दों में कहें तो जनता को रेवड़ियां बांटने की स्कीम माना जाए। **एलोपैथी के खिलाफ बोलकर बुरे फंसे बाबा रामदेव, अब सुप्रीम कोर्ट ने मांगा जवाब**

एलोपैथी और डॉक्टर्स पर बयानबाजी के चलते योग गुरू बाबा रामदेव की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। अब सुप्रीम कोर्ट ने मामले में रामदेव से सवाल किए हैं। साथ ही उन्हें स्पष्टीकरण देने के लिए भी कहा गया है। इससे पहले दिल्ली उच्च न्यायालय ने भी एलोपैथी के खिलाफ बोलकर लोगों को गुमराह नहीं करने की सलाह दी थी।मंगलवार को इंडियन मेडिकल एसोसिएशन यानी ङ्कक्र याचिका पर शीर्ष न्यायालय ने पतंजली आयुर्वेद और केंद्र सरकार को भी नोटिस जारी किए हैं। कोर्ट ने एलोपैथी को बदनाम करते हुए विज्ञापन दिखाने पर सफाई मांगी है।

भाजपा नेता टिकटॉक स्टार सोनाली फोगाट का निधन

नई दिल्ली। भाजपा नेता सोनाली फोगाट का निधन हो गया है। उन्हें गोवा में दिल का दौरा पड़ा है। सोनाली फोगाट टिकटॉक स्टार और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर भी थीं। सोनाली ने 2019 में हरियाणा चुनाव में बीजेपी की टिकट पर आदमपुर से विधानसभा का चुनाव लड़ा था। चुनाव के दौरान भी उन्होंने खूब टिकटॉक वीडियोज पोस्ट किए थे।जानकारी के मुताबिक सोनाली फोगाट अपने कुछ दोस्तों के साथ गोवा गई थीं। स्थानीय प्रशासन उनकी मौत की वजह तलाश रहा है। यह भी बताया जा रहा है कि मौत से कुछ समय पहले सोनाली फोगट ने अपना एक वीडियो पोस्ट किया था। साथ ही उन्होंने ट्विटर अकाउंट पर अपनी प्रोफाइल पिक्चर भी बदली थी।मालूम हो कि भाजपा ने 2019 के चुनाव में हिसार जिले की आदमपुर विधानसभा सीट से उम्मीदवार बनाया था हालांकि वह चुनाव हार गई थीं। सोनाली के सामने साल कांग्रेस नेता रहे कुलदीप बिश्नोई प्रत्याशी थे। भाजपा की हरियाणा इकाई ने उन्हें महिला मोर्चा का प्रदेश उपाध्यक्ष भी नियुक्त किया था। हाल ही में उन्होंने कुछ दिन पहले कुलदीप बिश्नोई से मुलाकात भी की थी।

अध्यक्ष पद से इनकार, भारत जोड़ने में जुटे राहुल गांधी

नई दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस में अध्यक्ष बनने से इनकार करने के बाद अब राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा पर फोकस कर रहे हैं। सोमवार को इसकी तैयारी को लेकर वे दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में सिविल सोसाइटी के लोगों और प्रमुख हस्तियों से बात की। कांग्रेस पार्टी 7 सितंबर से पूरे देश में भारत जोड़ो यात्रा शुरू करने जा रही है।कन्याकुमारी से लेकर कश्मीर तक चलने वाली यह यात्रा 150 दिनों तक चलेगी। इस दौरान 3,500 किलोमीटर का सफर तय किया जाएगा। यात्रा में राहुल गांधी के साथ कांग्रेस के कार्यकर्ता और अलग-अलग हिस्सों से नेता जुड़ेंगे। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश मुताबिक यात्रा के जरिए कांग्रेस पार्टी देश के 12 राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों को कवर करेगा।उदयपुर में कांग्रेस के चिंतन शिविर में राहुल गांधी ने च्भारत जोड़ोज्र यात्रा निकालने की घोषणा की थी। शिविर के अंतिम दिन अपने भाषण में राहुल ने कहा था- हम फिर जनता के बीच जाएंगे, उससे अपने रिश्ते मजबूत करेंगे और ये काम शॉर्टकट से नहीं होगा। ये पसीने से होगा यानी कड़ी मेहनत से।अप्रैल में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के आवास पर एक प्रजेंटेशन के दौरान प्रशांत किशोर ने कांग्रेस हाईकमान को कई सुझाव दिए थे। इनमें एक सुझाव देश के अलग अलग हिस्सों में करीब 200 प्रभावी लोगों, एक्टिविस्ट्स और सिविल सोसायटी के लोगों से संपर्क स्थापित करना था।

शिवसेना किसकी : केस संविधान पीठ को भेजा गया

नई दिल्ली, एजेंसी। शिवसेना पर अधिकार और 16 बागी विधायकों की अयोग्यता के मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट में फिर सुनवाई हुई। तीन जजों की बेंच ने शिंदे की शिवसेना बनाम उद्धव की शिवसेना केस संविधान पीठ को भेज दिया है। महाराष्ट्र की सियासत में अभी भी एकनाथ शिंदे और ठाकरे परिवार के बीच खींचतान का दौर जारी है।पिछली सुनवाई के दौरान एकनाथ शिंदे ने कहा था कि हमारे ऊपर अयोग्यता का आरोप गलत लगाया गया है। हम अभी भी शिवसैनिक हैं। उधर, सुप्रीम कोर्ट में उद्धव ठाकरे गुट की ओर से वकील कपिल सिब्बल ने कहा था कि शिंदे गुट में जाने वाले विधायक संविधान की 10वीं अनुसूची के तहत अयोग्यता से तभी बच सकते हैं, अगर वो अलग हुए गुट का किसी अन्य पार्टी में विलय कर देते हैं। उन्होंने कहा था कि उनके बचाव का कोई दूसरा रास्ता नहीं है।

नेशनल फैमली हेल्थ सर्वे-5 में खुलासा

सेक्स पार्टनर रखने में राजस्थान-मप्र की महिलाएं पुरुषों से आगे

जयपुर , एजेंसी। राजस्थान की महिलाएं एक से ज्यादा सेक्स पार्टनर रखने के मामले मामले में पुरुषों से आगे हैं। यहां 100 में से औसतन तीन महिलाओं को एक से अधिक सेक्स पार्टनर हैं, वहीं पुरुषों की संख्या 100 में औसतन दो फीसदी है। यानि राजस्थान की महिलाएं पुरुषों के मुकाबले पति और प्रेमी के अलावा भी अन्य पार्टनर के साथ शारीरिक संबंध बनाती हैं।

यह खुलासा हाल ही में हुए नेशनल फैमली हेल्थ सर्वे-5 में हुआ है। नेशनल फैमली हेल्थ सर्वे-5 में भी सामने आया कि 28 राज्यों और 8 केंद्र शासित प्रदेशों के 4 फीसदी पुरुषों ने गैर महिला से संबंध बनाए, जबकि ऐसा करनी वाली महिलाओं की संख्या सिर्फ 0.5 फीसदी है। यानि पुरुष अपनी पत्नी और प्रेमिका के अलावा किसी अन्य महिला के साथ शारीरिक संबंध बनाने में आगे है। नेशनल फैमली हेल्थ सर्वे-5 के अनुसार 11 राज्यों में महिलाओं के सेक्स पार्टनर ज्यादा हैं उनमें राजस्थान, लद्दाख, मध्य प्रदेश, हरियाणा, चंडीगढ़, जम्मू-कश्मीर, असम, पुडुचेरी, केरल, लक्षद्वीप और तमिलनाडु शामिल हैं। इन राज्यों में सबसे पहला नंबर राजस्थान और दूसरा नंबर मध्य प्रदेश का है। राजस्थान में 100 में से औसतन 3 महिलाओं के एक से अधिक पार्टनर हैं। जबकि ऐसा करने वाले पुरुषों की संख्या 100 में से औसतन 2 ही है। इन प्रदेशों में महिलाओं के ज्यादा सेक्स पार्टनरमध्य प्रदेश में महिलाओं के 2.5 और पुरुषों के 1.6 पार्टनर केरल में महिलाओं के 1.4 और पुरुषों के 1.0 पार्टनरजम्मू-कश्मीर में महिलाओं के 1.5 और पुरुषों के 1.1 पार्टनरहरियाणा में महिलाओं के 1.8 और पुरुषों के 1.5 पार्टनर असम में महिलाओं के 2.1 और पुरुषों के 1.8 पार्टनर हैं। इसी तरह अन्य राज्यों का भी आंकड़ा है।

प्रदेश में विकासखंड स्तर पर नियुक्त होंगे कंप्यूटर आपरेटर

भोपाल यशभारत। मध्य प्रदेश में खाद्य सुरक्षा कानून के तहत खाद्यान्न वितरण के कार्य को और व्यवस्थित करने के लिए सरकार विकासखंड स्तर पर कंप्यूटर आपरेटर नियुक्त करेगी। इसके लिए खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग ने एक प्रस्ताव तैयार किया है। इस पर मंगलवार को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में होने वाली कैबिनेट बैठक में अंतिम निर्णय लिया जाएगा। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारियों को उचित मूल्य की दुकानों की निगरानी का दायित्व दिया गया है। इनके द्वारा तैयार प्रतिवेदन संचालनालय को भेजने की व्यवस्था है, लेकिन इनके पास कंप्यूटर आपरेटर नहीं हैं। इसके लिए सभी विकासखंड मुख्यालय पर इनकी नियुक्ति की जाएगी। वहीं, योग आयोग के गठन के निर्णय का प्रस्ताव अनुसमर्थन के लिए प्रस्तुत किया जाएगा। इसके अलावा कुछ अन्य प्रस्तावों पर भी विचार होगा।

मंदसौर से इंदौर तक गिरे रेट

मप्र में. किसानों को रुला रहीं प्याज-लहसुन

50 पैसा किलो,फिर भी मंडियों में बंपर आवक

इंदौर, एजेंसी। लहसुन के बाद अब प्याज की कम कीमत भी मालवा-निमाड़ सहित मध्यप्रदेश के किसानों को रुलाने लगी है। मंडियों में प्याज 50 पैसे से 1 रुपए प्रति किलो खरीदा जा रहा है। मध्यप्रदेश की मंडी में 10 से 20 अगस्त तक 4 लाख 38 हजार 962 क्विंटल प्याज आया। इन 10 दिन में सिर्फ दो दिन 18 और 20 अगस्त को ही किसान 1 लाख से ज्यादा बोरी प्याज लेकर मंडियों में पहुंचे। साफ जाहिर है - कम कीमत से किसान नाराज हैं और सड़कों पर उतरकर विरोध जता रहे हैं। रतलाम में तो प्याज की प्रतीकात्मक अर्थी निकाल दी गई है। इसके बावजूद किसान बड़ी तादाद में माल मंडी लाने को मजबूर हैं, क्योंकि प्याज के स्टोरेज की समस्या है। इससे खराब होने का डर है। नतीजा, वह औने-पौने दाम पर भी फसल बेच रहा है। मंदसौर मंडी में अधिकतम भाव 1244 रुपए क्विंटल रहा तो न्यूनतम भाव 50 रुपए क्विंटल रहा। आप इस अंतर से समझ सकते हैं कि खराब और अच्छे प्याज की कीमतों में कितना ब ?ा अंतर आ गया है। यही किसानों के गुस्से का कारण है। रतलाम की मंडी तो और चौंकाती है। यहां जिस दिन प्याज 2100 रुपए प्रति क्विंटल बिक जाता है, उसी दिन यहां एक किसान से 100 रुपए प्रति क्विंटल में प्याज खरीदा गया। व्यापारियों का कहना है कि छोटी और खराब प्याज आने से कुछ जगह रेट्स कम हो जाते हैं।

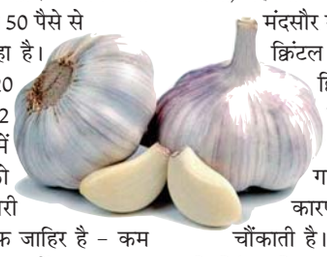

वर्षा का सिस्टम कमजोर
सुबह से ही खिली धूप

जबलपुर, यशभारत। कम दबाव का क्षेत्र पूर्वी मध्यप्रदेश से शिफ्ट होकर मध्य के ऊपर आ गया है, जिसके कारण जबलपुर सहित संभाग के जिलों में वर्षा का सिस्टम कुछ कमजोर पड़ गया है। वर्षा का सिलसिला अब थम गया है। मंगलवार की सुबह से ही धूप खिली हुई है और मौसम साफ दिखाई दे रहा है। वहीं, दूसरी तरफ मौसम विभाग का कहना है, कहीं-कहीं अगले 24 घंटों में हल्की बारिश हो सकती है। एक दिन पहले सोमवार की सुबह से शाम तक महज एक मिलीमीटर वर्षा ही हुई। मौसम विभाग के मुताबिक मंगलवार को भी छिटपुट वर्षा की ही संभावना है। हालांकि, मौसम विभाग ने जबलपुर सहित संभाग के जिलों में येलो अलर्ट भी जारी किया है। वहीं 24 अगस्त से एक बार फिर मानसून की सक्रियता से झमाझम वर्षा की संभावना जताई है। बहरहाल सीजन में इस बार हुई जोरदार वर्षा के बाद वर्षा का आंकड़ा 1017.8 मिलीमीटर यानी 40 इंच पर पहुंच गया है। जो गत वर्ष से 21.6 इंच ज्यादा है। गत वर्ष सीजन में कुल 468.6 मिलीमीटर यानी 18.4 इंच हुई थी। लगातार वर्षा से शहर के नदी-तालाब लबालब हो गए हैं। वातावरण में हल्की ठंडक का अहसास भी होने लगा है। सोमवार को अधिकतम तापमान दो डिग्री बढ़कर 26.9 डिग्री रिकार्ड किया गया। वहीं न्यूनतम तापमान एक डिग्री कम होकर 21.9 डिग्री पर बना रहा।जबलपुर सहित संभाग में अनेक स्थानों पर बौछारें पड़ने की संभावना है। कहीं-कहीं गरज-चमक के साथ वर्षा हो सकती है।

पोल गिरे, 70 गांव में अंधेरा

वर्षा के बाद बिजली की व्यवस्था बनाने में अमला जुटा रहा। ग्रामीण इलाकों में जगह-जगह पोल गिरने की वजह से सोमवार को 70 गांव अंधेरे में डूबे रहे। ग्रामीण क्षेत्र में गौर से बरगी रोड स्थित ग्राम सिलुआ के पास 33 केवी लाइन के तीन पोल गिरने से तार टूट गए थे। विभागीय स्तर पर टीम ने दोपहर तक बिजली के पोल को दोबारा खड़ा किया, जिसके बाद इन गांव में बिजली की सप्लाई बहाल हो पाई। सहायक अभियंता अमित सक्सेना ने बताया कि जबलपुर के सिलुआ वितरण केंद्र के 33 केवी लाइन के तीन पोल क्षतिग्रस्त हो गए थे। इससे बारहा उप केंद्र से निकलने वाले सभी 11 केवी फीडर की बिजली सप्लाई बंद हो गई थी। सिलुआ वितरण केंद्र के कर्मचारियों ने कार्यपालन अभियंता विकास सिंह ने बताया कि अतिरिक्त टीम को लगाकर कार्य करवाया गया। रांझी क्षेत्र में पेड़ बिजली की लाइन पर गिर गया। इस वजह से बिजली सप्लाई बाधित हुई। व्हीएफजे क्षेत्र शोभापुर रोड के तिनपुरिया के पास पेड़ गिरने से 33 केवी बिजली की सप्लाई बंद हुई। वहीं अय्याप्पा मंदिर के पास भी 33 केवी लाइन में पेड़ गिरने से बिजली सप्लाई प्रभावित रही। के दौरान लोगों के घरों की बिजली बंद होने को लेकर बिजली कंपनी के बाद शहर के पांच संभागों में शिकायतों का अंबार लगा हुआ है। सुबह से विभाग ने राजस्व की टीम अतिरिक्त लगाई ताकि जल्द शिकायतों का निराकरण किया जा सके। नगर संभाग पश्चिम के कार्यपालन अभियंता एसके सिन्हा ने बताया कि रात के वक्त के लिए अधिक टीम बनाई गई है ताकि ज्यादा शिकायतों का निराकरण कम समय में किया जा सके।

डॉ. अभिजात कृष्ण त्रिपाठी को गूँज ब्रह्मरत्न अलंकरण

गूँज काव्यमाला का भव्य आयोजन

जबलपुर,यशभारत। साहित्यिक, सांस्कृतिक संस्था गूँज अंतर्राष्ट्रीय मंच और गूँज राष्ट्रीय ब्राह्मण महासभा के तत्वावधान में माधुरी मिश्रा एवं नीरज शुक्ला के संयोजन में श्रीजानकीरमण महाविद्यालय में काव्यमाला का आयोजन किया गया । प्रसिद्ध गायक गौरव शिवप्रसाद शुक्ल शिब्बू दादा को समर्पित काव्यमाला में संस्थापक उमेश मिश्र एवं अध्यक्ष राष्ट्रीय ब्राह्मण महासभा मनीष दुबे ने अतिथियों का तिलक वंदन से स्वागत किया ।वरिष्ठ साहित्यकार अभिमन्यु जैन के मुख्य आतिथ्य, डॉ. कौशल दुबे की अध्यक्षता एवं आचार्य डॉ. हरिशंकर दुबे, सुरेश विचित्र, मनोहर चौबे,राजेन्द्र मिश्र, निरंजन द्विवेदी वत्स, यू.एस दुबे, उदयभानु तिवारी एवं रुद्रदत्त दुबे के विशिष्ट आतिथ्य में आयोजित इस काव्यमाला में डॉ. अम्बर प्रियदर्शी, नवाब कौशर, सुरेश दर्पण, कालीदास ताम्रकार काली, दुर्गेश ब्यौहार दर्शन, कुंजीलाल चक्रवर्ती, अजय मिश्र, मिली खोकले, दीपेश दवे, गणेश प्यासा, संतोष नेमा, आशुतोष तिवारी, अंजुषा तिवारी, रघुवीर अम्बर, डॉ. गीता पाण्डे बेबी, नीरज शुक्ल, डॉ. अरूणा पाण्डे, अरशद जबलपुरी एवं उमेश मिश्र आदि कई नामचीन रचनाकारों कविताओं से श्रोताओं को भाव विभोर कर तालियाँ बटोरीं। इस अवसर पर प्रसिद्ध समाज सेवी डॉ.आचार्य अभिजात कृष्ण त्रिपाठी को गूँज ब्रह्मरत्न अलंकरण से समादरित किया गया।साथ ही वरिष्ठ साहित्यकार राजेंद्र मिश्र को गूँज संस्कारधानी रत्न प्रदान कर सम्मानित किया गया । मंच संचालन राजेश पाठक प्रवीण एवं माधुरी मिश्र ने एवं आभार मीना हरिप्रसन्न त्रिपाठी ने किया ।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रोता उपस्थित रहे।

जलभराव की समस्या दूर करें, शहर को स्वच्छ-सुंदर बनाने की दिशा में करें काम

जबलपुर नगर निगम अधिकारियों की बैठक बुलाकर महापौर ने दिए निर्देश

जबलपुर, यशभारत। शहर में बन रहे जलप्लावन के हालात से निपटने, नागरिकों को पानी, बिजली, सड़क जैसी मूलभूत सुविधाएं महैया कराने के साथ ही शहर को स्वच्छ व सुंदर बनाने महापौर ने कमर कस ली है। इसी कड़ी में सोमवार को महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने नगर निगम अधिकारियों की बैठक बुलाई और शहर के सभी हिस्सों से जलभराव की समस्या को समाप्त करने के लिए ठोस योजना बनाकर उस पर काम करने व शहर को स्वच्छ व सुंदर बनाने की दिशा में विशेष कार्य करने की हिदायत दी। उन्होंने कहा कि स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 में जबलपुर को नंबर बनाने अधिकारी, कर्मचारी पूरी निष्ठा व ईमानदारी से कार्य करें। महापौर ने कहा कि शहर के नागरिकों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना हमारी

जिम्मेदारी है। इसलिए नागरिकों की मूलभूत सुविधाओं के विस्तारीकरण एवं बेहतरी में किसी भी प्रकार की कोई कोताही बर्दास्त नहीं की जाएगी। बैठक में स्वास्थ्य प्रभारी एवं मेयर इन काउंसिल के सदस्य अमरीश मिश्रा, अपर आयुक्त वित्त महेश कुमार कोरी, स्वास्थ्य अधिकारी भूपेंद्र सिंह, सहायक स्वास्थ्य अधिकारी सुनील गुजराती, अनिल जैन, केके दुबे, अनिल बारी आदि उपस्थित रहे।

नाले के ऊपर के अतिक्रमण हटाओ- महापौर ने कहा कि देखने में यह आ रहा है कि नाला नालियों के बगल से कुछ लोगों ने अवैध रूप से कब्जा कर लिया है। जल निकासी में अवरोध उत्पन्न कर रहे हैं जिसके कारण सुगमतापूर्वक वर्षा जल निकासी नहीं हो पा रही है और जलप्लावन के हालात बन रहे हैं। सभी अवैध कब्जों को तत्काल हटवाकर वर्षा जल निकासी की व्यवस्था की जाए। महापौर ने उन नाला नालियों की सफाई व्यवस्था पर भी फोकस करने को कहा जहां रेलवे के अधिपत्य की भूमि है। इस संबंध में रेलवे प्रशासन से पत्राचार कर हल निकालने के निर्देश भी दिए।

ये निर्देश भी दिए- तालाबों की नियमित साफ-सफाई कराई जाए। आवारा सूअरों से आम नागरिकों को राहत प्रदान करने विभागीय अधिकारियों से चर्चा कर नियमानुसार कार्रवाई करें।

डोर टू डोर कचरा कलेक्शन व्यवस्था में लाओ सुधार

घरों से कचरे का नियमित उठाव न होने पर भी महापौर ने नाराजगी जताई। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को सफाई व्यवस्था और बेहतर बनाने के लिए संभागवार, वार्डवार सफाई अभियान के साथ-साथ जागरूकता अभियान भी चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि डोर टू डोर कचरा कलेक्शन सिस्टम में भी व्यापक बदलाव लाएं। वार्डों की जनसंख्या एवं क्षेत्रफल की दृष्टि से मानव संशाधनों के साथ मशीनरी संशाधनों को लगाकर सफाई कराई जाए। अन्यथा सफाई एजेंसी के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

भाजपा अंत्योदय प्रकोष्ठ की कार्यकारिणी घोषित

जबलपुर,यशभारत। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश अध्यक्ष साँसद श्री विष्णुदत्त शर्मा एवँ भाजपा अंत्योदय प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक रामेश्वर दुबे के निर्देशानुसार अंत्योदय प्रकोष्ठ के प्रदेश सह संयोजक एवँ संभाग प्रभारी अमर मिश्रा की सहमति एवँ भाजपा नगर अध्यक्ष जीएस ठाकुर की अनुसंशा पर अंत्योदय प्रकोष्ठ के जिला संयोजक उज्ज्वल पचौरी ने जिला कार्यकारिणी घोषित की है।अंत्योदय प्रकोष्ठ की जिला कार्यकारिणी में 10 सह संयोजक, मीडिया प्रभारी एवँ सोशल मीडिया प्रभारी बनाये गए है।

प्रकोष्ठ कार्यकारणी

- जिला सह संयोजक - हेमंत साहू, अमित सैनी, बबलू खत्री, अज्जू चक्रवर्ती, सुमित पांडे, गुरदीप सिंह (गप्पू), किशन लालवानी, गोपाल तिवारी, सौरभ अहिरवार, देवराज गुप्ता।
- मीडिया प्रभारी - शिवांश गौतम
- सोशल मीडिया प्रभारी - विनोद सोंधिया

सर्व ईसाई महासभा का सक्रीय सदस्यता महाअभियान

जबलपुर,यशभारत। सर्व ईसाई महासभा जबलपुर ने जिला अध्यक्ष शान कुमार के नेतृत्व में सक्रीय सदस्यता महाअभियान का शुभारम्भ किया गया जिसमें मसीही भाई और बहनों ने बड़े उत्साह के साथ सदस्यता ग्रहण किया। संचालन जिला सचिव डेन्जिल आंग्रे एवं कोषाध्यक्ष रेजीनॉल्ड जेकब ने किया। प्रदेश सदस्यता प्रभारी आशीष सलोमान एवं प्रदेश संघठन मंत्री विनोद चैंबर्स ने संगठन के उद्देश्य एवं आगामी कार्यक्रमों के बारे में बताया। जिला अध्यक्ष शान कुमार ने सभी सदस्यों को बधाई प्रेषित किये एवं संघठन को मजूबत बनाने हेतु सम्बोधित किया। इस अभियान में मुख्य रूप से पास्टर फेलोशिफ के अध्यक्ष रेव्ह. डेविड लाल , पास्टर मलर सेलवन , पास्टर ऐसैया ,पास्टर वैभव जोशुआ , पास्टर स्टैनली सुकुमार , पास्टर सब्स्टीन , पास्टर राज इब्राहिम, पास्टर अमित इब्राहिम अन्य मसीही अगुवे एवं राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष डेविड फ्रांसिस , प्रदेश उपाध्यक्ष रोनी साल्वी, नीलेश मसीह , जिला युवा मोर्चा अध्यक्ष डेविस समाधानम , जिला सचिव युवा मोर्चा मेशक चौधरी, जिला खेल प्रकोष्ट आशीष डेनियल , विधि सलाहकार क्रिश अन्थोनी, महिला प्रदेश उपाध्यक्ष हर्षा जॉर्ज , भावना शर्मा , मिडिया प्रभारी शिमोन सागर एवं संघठन के प्रदेश एवं जिले के पदाधिकारीगण एवं सदस्य मौजूद रहे।

जबलपुर में कोरोना एक्टिव केसों की संख्या में कमी पर बढ़ रहा मौत का आंकड़ा

जबलपुर , यशभारत। जहां कोरोना संक्रमितों की कम हो रही है वहीं मौतों का ग्राफ बढ़ रहा है। शनिवार, रविवार और सोमवार को हुई तीन मौतों से जिले में हड़कंप सा मचा हुआ है। सोमवार को तीसरे दिन भी कोविड के मरीज ने अपना दम तोड़ दिया। सोमवार देर रात जारी की गई रिपोर्ट में कोरोना के 2 नए मरीज सामने आए हैं। वही पांच लोगों को संक्रमण मुक्त होने पर आइसोलेशन से छुट्टी दे दी गई है। जिसके बाद जिले में अब कोरोना के सक्रिय मरीजों की संख्या 28 पर पहुंच गई है। रविवार को 227 सैंपल की रिपोर्ट जारी की गई थी। जिसमें से 221 सैंपल की रिपोर्ट नेगेटिव आई है।क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य सेवाएं व प्रभारी सीएमएचओ डॉ संजय मिश्रा के मुताबिक कोरोना संक्रमण का सर्वाधिक जोखिम पहले से गंभीर पीड़ित मरीज को हैं। जिन्हे सावधानी बरतने की आवश्यकता हैं। हमारे द्वारा लगातार प्रयास किया जा रहा हैं। कि कोविड से मरीज की मौत न हो। जिन मरीज की स्थिति गंभीर हैं उन्हे बेहतर उपचार मुहैया कराया जा रहा हैं। सभी में मेरी अपील है कि वेक्सिनेशन जरुर कराएं। डॉ संजय मिश्रा के मुताबिक कोरोना संक्रमण के साथ तो पहले से अन्य गंभीर बीमारियों से भी पीड़ित भी है। जिसके कारण जबलपुर जिले मौतों की संख्या बढ़ रही है। हालांकि जिले की जनसंख्या भी अधिक होने के कारण व बेहतर इलाज मिलने से कोविड मरीज बेहतर इलाज के लिए जबलपुर आते हैं। लगातार बढ़ रही मौतों की संख्या को देखते हुए प्रशासन ने मास्क पहनने के साथ ही साथ ही कोविड वैक्सीनेशन की बूस्टर डोज लगाने की भी अपील की है।

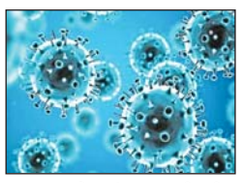

फोकट में यात्रा करने वाले तीन लाख यात्रियों से वसूले 24 करोड़ 12 लाख

टिकट चेकिंग दल की अनेक ट्रेनों में ताबड़तोड़ कार्रवाई

जबलपुर यशभारत। जबलपुर रेल मंडल ने इस वित्त वर्ष के प्रथम चौमाही में टिकिट चेकिंग में निरंतर सघन जाँच अभियान चलाकर रिकार्ड राजस्व आय अर्जित की है जो कि गतवर्ष की इस अवधि की तुलना से लगभग 25 प्रतिशत अधिक है.इस सम्बन्ध में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक विश्व रंजन ने बताया कि मंडल ने अप्रैल से जुलाई माह के बीच तीन लाख 74 हजार यात्रियों को अनिमियत टिकिट पर अथवा बिना टिकिट के रेलों में सफर करते हुए पकड़ा है। इन यात्रियों से मंडल के चल टिकिट निरीक्षको ने तीस करोड़ 33 लाख रुपये बतौर जुर्माना वसूल करके रेल राजस्व में जमा किया है। इस वित्तीय वर्ष के अप्रैल माह में 84 हजार यात्रियों को पकड़ कर उनसे 06 करोड़ 18 लाख, मई माह में 01 लाख से अधिक यात्रियों को पकड़ कर उनसे 08 करोड़ 86 लाख , जून माह में 01 लाख 15 हजार यात्रियों से 09 करोड़ 87 लाख तथा जुलाई माह में 66 हजार से अधिक यात्रियों को पकड़ कर उनसे 05 करोड़ 40 लाख रुपये का जुर्माना वसूल किया गया है जबकि गत वित्तीय वर्ष में उक्त अवधि तीन लाख यात्रियों से 24 करोड़ 12 लाख रुपये का जुर्माना वसूल किया गया था। श्री रंजन ने बताया कि प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबधक मुकुल सरन माथुर एवं मंडल रेल प्रवन्धक संजय विश्वास के मार्गदर्शन मे मंडल के जबलपुर,मदन महल , कटनी ,मैहर, सतना, रीवा, दमोह , सागर, नरसिंहपुर, पिपरिया जैसे प्रमुख स्टेशनो सहित छोटे स्टेशनो पर भी उक्त अवधि मे सघन टिकिट जाँच अभियान चल टिकिट निरीक्षको ने चलाकर यह उलेखनीय आय अर्जित की है।

पैंट्री कार में खर्राटे मार कर सो रहे थे यात्री उड़न दस्ते ने दबोचा

जबलपुर यशभारत। यात्रियों से खचाखच भरी ट्रेन के रसोई यान में यात्रियों को छिपा कर खाद्य सामग्री के स्थान बैठा कर पर रेल का सफर कराने के नए तरीके पर छापा मारकर रसोईयान के मैनेजर सहित आधा दर्जन यात्रियों यात्रियों पर टिकिट चैकिंग के उड़न दस्ते ने चेतावनी के साथ दंडात्मक कार्यवाही करते हुए उनसे 18 हजार रुपए का प्रभार वसूल किया है ।जबलपुर से कटनी रेल खंड के बीच प्रारंभ हो किए गए विशेष टिकट जांच अभियान का नेतृत्व कर रहे सहायक वाणिज्य प्रबंधक पंकज दुबे की टीम ने जब बांद्रा से चलकर जबलपुर होकर सहरसा जाने वाली हमसफर एक्सप्रेस 22913 के रसोईया पैंट्री कार की जांच की तो पाया कि वहां 4 यात्री आराम से सोते हुए सफर का मजा ले रहे हैं जांच के दौरान इन लोगों के पास किसी तरह की कोई टिकट नहीं थी तथा मैनेजर द्वारा उन्हें कुछ में बैठा कर ले जाने की बात सामने आई जिस पर टिकट निरीक्षकों ने दंडात्मक कार्यवाही करते हुए सभी यात्रियों को बिना टिकट घोषित करते हुए उन्हें दंड भरने अथवा जिम जाने का कहा जिस पर यात्रियों ने तुरंत दंड स्वरूप ?16000 की राशि जमा की वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री विश्वरंजन के निर्देश पर की जा रही इस जांच में चल टिकट निरीक्षक पीके पांडे राजेश बावरिया एसके सिंह गोविंद लोधी उमेश मिश्रा चंद्रहास, राकेश सिंह सहित चल टिकट निरीक्षकों के दल ने इस खंड पर लगभग आधा दर्जन यात्री गाड़ियों में अनियमित टिकट तथा बिना टिकट के लगभग 470 प्रकरणों में तीन लाख 82 हजार रुपए का जुर्माना वसूल कर के रेल राजस्व में जमा किया है।

राधा कृष्ण की रासलीला बाल लीला ने मोहा

जबलपुर, यशभारत। श्री सिद्ध पीठ काली मंदिर सदर प्रांगण में श्री कृष्ण जन्मोत्सव कार्यक्रम संपन्न हुआ जिसमें बच्चों को धर्म ज्ञान प्रतियोगिता में हिस्सा लेने का अवसर मिला। बच्चों का नृत्य कंपटीशन हुआ जिसमें बच्चे राधा एवं कृष्ण के रूप में थे। एवं अंत में श्री राधा कृष्ण की रासलीला बाल लीला, एवं रात्रि 12ः00 बजे श्री कृष्ण जन्मोत्सव कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में रमेश यादव प्रदीप महावर विक्रांत अग्रवाल धर्मेंद्र बावरिया अपूर्वा राजू राय मोनल तिवारी आदि उपस्थित रहे।

गाजरघास के दुष्प्रभावों के प्रति आमजन को जागरूक करना आवश्यक : डॉ. मिश्र

गाजरघास जागरूकता सप्ताह का समापन

जबलपुर, यशभारत। खरपतवार अनुसंधान निदेषालय, जबलपुर के तत्वावधान में गाजरघास जागरूकता सप्ताह का समापन का समापन हुआ। इस दौरान 06 स्कूलों, 03 गांवों में जागरूकता प्रोग्राम ,रेली निकालना, गाजरघास को उखाड़ना, चित्र प्रदर्शनी, वर्कशॉप, जैविक कीटो को छोड़ना एवं वितरण आदि कार्यक्रम किये गए। किये। इसी के साथ सी.आर.पी.एफ मोकामा, पटना (बिहार), कोल्ड फ्रिरिज संस्थान, भीमताल, उत्तराखंड और रिलायंस फाउंडेषन के साथ

मिलकर मध्यप्रदेष, बिहार, उत्तरप्रदेष, राजस्थान, छत्तीसगढ़ के किसानों से ऑनलाइन लाइव संवाद के साथ प्रोग्राम किये गये। समापन कार्यक्रम भारत सरकार के फार्मर फस्ट प्रोग्राम के अर्न्तगत ग्राम भिडारीकला बरौदा में आयोजित किया गया जिसमें आसपास के ग्रामों से लगभग 200 किसानों ने भाग लिया। निदेशक डॉ. जे.एस. मिश्र ने बताया कि गाजरघास एक समस्या कारक खरपतवार है जो फसलों एवं उद्यानों मे उत्पादकता को कम करने के अलावा पर्यावरण और जैव विविधता के लिए एक गंभीर खतरा माना गया है। इस खरपतवार में बीज उत्पादन की विपूल क्षमता के साथ बीज सुषुप्तता नही होती है जिस कारण वर्षभर फलता फूलता रहता है। गाजरघास से मनुष्य एवं जानवरों मे अनेक प्रकार की बीमारियां जैसे- दमा और त्वचा रोग फैलता है। इन्ही कारणों से लोगो का इससे होने वाली क्षति और इसके समाधान के उपायो के लिए जागरूक करने के लिए पूरे देष में जागरूकता सप्ताह मनाया जाता है। कार्यक्रम के राष्ट्रीय संयोजक डॉ. सुशील कुमार, प्रधान वैज्ञानिक ने बताया कि यह कार्यक्रम 713 कृषि विज्ञान केन्द्रों, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के सभी संस्थानों, कृषि विश्वविद्यालयों के माध्यम से देशभर में मनाया गया। कार्यक्रम में निदेशालय के डॉ.आर.पी.दुबे, प्रधान वैज्ञानिक, डॉ.के.के. वर्मन, प्रधान वैज्ञानिक, डॉ.पी.के. मुखर्जी, प्रधान वैज्ञानिक, डॉ.वी.के चौधरी, वरिष्ठ वैज्ञानिक, डॉ.दीपक पवार, चेतन सी.आर, दिवाकर राय,डॉ.हिमांषु महावर सरपंच श्रीमती रिंकी चडार तथा जितेंद्र दुबे उपस्थित रहे।

अपने को छला सा महसूस कर रहा है अध्यापक संवर्ग

जबलपुर,यशभारत। प्रथम क्रमोन्नति आदेश के इंतजार में अध्यापक संवर्ग अपने को छला सा महसूस कर रहा है। मध्यप्रदेश जागरूक अधिकारी कर्मचारी संयुक्त समन्वय समिति के जिला अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन ने जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि आज दिनांक तक उन्हें क्रमोन्नति का आदेश जारी नहीं होने से वह अत्यंत दुखी हताश एवं हलकान है। शासन के द्वारा अध्यापकों के प्रति ऐसा व्यवहार अशोभनीय है लगभग 4 वर्ष बीत जाने के बावजूद उन्हें आज दिनांक तक क्रमोन्नति न मिल पाना शासन की उदासीनता साफ नजर आती है यदि अध्यापकों की क्रमोन्नति का आदेश शीघ्र जारी नहीं होता है तो सारे अध्यापक सड़कों पर उतर कर उग्र आंदोलन करने के बाध्य होंगे उसकी पूरी जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी। संघ के दिलीप सिंह ठाकुर, दिनेश गौड़, राकेश श्रीवास , स्टैनली नारबट ,हेमंत ठाकरे , प्रदीप पटेल,आसाराम झारिया ,सुधीर अवधिया,रॉबर्ट फ्रांसिस, राजकुमार यादव, विनय रामजे, संतोष चौरसिया, गोपी साह,उमेश सिंह ठाकुर, सुनील झारिया ,अनूप सिंह मरकाम, सुधीर पावेल ,गुडविन चार्ल्स , त्रिलोक सिंह समर सिंह, नितिन तिवारी, विश्वनाथ सिंह ,विशाल सिंह, आकाश भील आदि ने शासन से मांग की है कि अध्यापकों के प्रथम क्रमोन्नति आदेश शीघ्र जारी किया जाए अन्यथा संघ उग्र आंदोलन के बाध्य होगा।

घमापुर में नवनिर्मित स्कूल का छज्जा टूटने से 2 मजदूर घायल : बड़ा हादसा टला

जबलपुर, यशभारत। घमापुर बाई के बगीचे में उस वक्त हड़कंप मच गया जब निर्माणाधीन स्कूल का छज्जा गिरने से दो मजदूर घायल हो गए। घायलों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां दोनों की हालत गंभीर बताई जा रही है। घमापुर छोटी बुनियादी स्कूल के नए भवन का निर्माण चल रहा है। रोजाना की तरह आज भी मजदूर काम कर रहे थे, सुबह अचानक से एक कमरे का छज्जा नीचे गिर गया जिसमें एक मजदूर उसमें दब गया जबकि दूसरा दूर जाकर घायल हो गया।

घटिया निर्माण हुआ, बीम में ज्वाइंट नहीं था

एसडीएम ऋषभ जैन ने घटना की जानकारी लगते ही मौके पर पहुंचे उन्होंने जांच पड़ताल में पाया कि घटिया निर्माण हुआ है, बीम में ज्वाइंट सहित भवन निर्माण में तकनीकी कमी भी नजर आ रही है। पूरे प्रकरण की जांच की जाएगी, जो दोषी होगी उन पर कार्रवाई होगी।

बहुत समय से बन रहा भवन, गुणवत्ताहीन

भाजपा नगर अध्यक्ष जीएस ठाकुर ने मौके पर पहुंचकर कहा कि सरकारी एजेंसी और ठेकेदार मजदूरों की जान लेना चाहते हैं। इसी का नतीजा है कि निर्माणाधीन का छज्जा गिर गया है। बाजू में स्कूल संचालित है एक बड़ा हादसा हो सकता था। पूरी प्रकरण की जांच होना चाहिए।

निर्माण गुणवत्ता की जांच हो : विधायक लखन

घटना की जानकारी मौके पर पहुंचे विधायक लखन घनघोरिया ने कहा कि इस तरह की घटना दर्शाती है कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता नहीं है। पूरे प्रकरण की जांच होना चाहिए। साथ ही घायल मजदूरों को उचित इलाज मिले इसकी व्यवस्था हो।

सदर बाजार में युवती का हंगामा

चौपटी में व्यापारी के बाद पुलिस से उलझी

जबलपुर यशभारत। सदर बाजार मे देर रात एक युवती ने जमकर हंगामा किया। यह हाईवोल्टेज ड्रामा होता रहा पुलिस अधिकारियों के बंगले के पास जिसकी सूचना पर केंट थाना पुलिस जब मौके पर पहुँची तो युवती पुलिसकर्मियों से ही भिड़ गई। बाद मे महिला पुलिस को बुलाया गया और युवती को थाने ले जाया गया। बताया जा रहा है कि युवती की बाईक ने एक बाईक सवार को टक्कर मार दी थी। बीच सड़क पर घंटों यह हाई वोल्टेज ड्रामा चलता रहा। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक युवती ठीक हालत में नहीं थी। पहले उसने चौपाटी के एक व्यापारी से विवाद किया और फिर जब उसे समझाने पुलिसकर्मी पहुँचे तो वह उनसे ही उलझ गई। पुलिसकमीज़ महिला को लगातार समझा रहे थे कि आप नशे मे है गाड़ी किनारे कर ले। पर युवती थी कि किसी कि बात सुनने को तैयार नहीं। पुलिसकर्मियों ने जब गाड़ी की चाबी मांगी तो उसने देने से इंकार कर दिया।

युवती और पुलिसकर्मियों के विवाद का वीडियो सोशल मीडिया मे वायरल हों रहा है। वायरल वीडियो मे देखा जा सकता है कि युवती पुलिसकमीज़ से कह रही है कि तू जा-जा यहा से। जवाब मे फिर पुलिसकमीज़ भी युवती से कहता है कि तुम्हारी गाड़ी जप्त होगी। युवती और पुलिसकमीज़ के बीच हों हो रहे विवाद का वहां खड़े लोग वीडियो बनाते रहे फिर बाद में इसे सोशल मीडिया में वायरल भी किया गया। देर रात तक चले हंगामे के बाद कैंट थाना पुलिस का अमला युवती को अपने साथ कैंट थाने ले गई। हालांकि पुलिस से लगातार महिला के विषय जानने के लिए संपर्क भी किया गया। पर पुलिस इसे छोटी सी घटना बताकर मामले को दबाने में जुटी रही। जानकारी के मुताबिक युवती के परिजनों को कैंट थाना पुलिस ने बुलाकर उसे सौंप दिया है।

मानवता शर्मसार

वृद्धा का शव दोपहर से रात तक घर में पड़ा रहा, कोई नहीं आया देखने

जबलपुर, यशभारत। रिश्ते-परिवार और हमारे पड़ोसी इसलिए होते हैं कि बुरे और अच्छे वक्त में इनका साथ मिलता रहा। अच्छे समय तो सभी पास खड़े होते हैं लेकिन जब हमारा वक्त बुरा होता है, खून के रिश्ते भी दूर हो जाते हैं। कुछ ऐसा ही हुआ है सिविल लाइन डिफरेंस कॉलोनी में रहने वाली 65 साल की वृद्धा के साथ। वृद्धा का शव एक दिन घर में पड़ा था लेकिन उसे देखने कोई नहीं पहुंचा। यहां तक कि पूना में रहने वाली बहन को सूचना दी उसने दूरी का हवाला देकर बाद में आने को कहा। जब मृत महिला का शव उठाने कोई रिश्तेदार-परिचित आगे नहीं आया तो पड़ोसियों ने गरीब नमाज कमेटी को सूचना दी। जिसके बाद शव का अंतिम संस्कार होना संभव हुआ। गरीब

सुबह गरीब नमाज कमेटी ने कराया अंतिम संस्कार

नमाज कमेटी के इनायत अली ने बताया कि सूचना मिली कि सिविल लाइन डिफरेंस कॉलोनी 65 साल की सुनीता रावत की मौत हो गई है। पड़ोसियों ने परिचितों और रिश्तेदारों को फोन किया लेकिन कोई भी नहीं पहुंचा। इसके बाद गरीब नमाज कमेटी की पूरी टीम मृतिका के घर पहुंची और पूरी रीति रिवाज से उसका अंतिम संस्कार कराया।

भाई का भी कराया था अंतिम संस्कार

इनात अली, बाछु नांकनी,साबिर दुध वाला, मो इम्तियाज़, बाबू अली , दीपक निगम और रियाज़ अली ने बताया कि कुछ समय पूर्व मृतिका के भाई जेडी रावत का निधन कोरोना से हो गया था। उस समय भी भाई के अंतिम संस्कार के लिए कोई आगे नहीं आया था इसके कमेटी के सहयोग से ही अंतिम संस्कार किया गया।

मेडिकल में नर्सों का बवाल, 2 घंटे काम बंद

उप अधीक्षक डॉक्टर रिचा शर्मा ने नर्स से की अभद्रता!

अभद्रता को लेकर नर्सों ने डीन ऑफिस में किया हंगामा

जबलपुर, यशभारत। नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडिकल अस्पताल में मंगलवार की सुबह नर्सों ने उप अधीक्षक डॉक्टर रिचा शर्मा को निलंबित करने की मांग को लेकर डीन ऑफिस का घेराव किया। नर्सों का कहना था कि अधीक्षक डॉक्टर अरविंद शर्मा की पत्नी और उपअधीक्षक डॉक्टर रिचा शर्मा अपने पद का दुरूपयोग कर रही है। नर्सों से अभद्र तरीके से इनके द्वारा बात करना आदत बन गई है। शनिवार को अधीक्षक कार्यालय में उप अधीक्षक द्वारा नर्सों एसोसिएशन की हेड से अभद्र तरीके से बात की गई इस तरह का बर्ताव उप अधीक्षक और एक डॉक्टर को शोभा नहीं देता है। यहां तक कि नर्स को जाहिल और जंगली औरत तक कहा गया। उप अधीक्षक की अभद्रता की लिखित शिकायत डीन से की गई है।

नर्स एसोसिएशन की हर्षा सक्सेना ने बताया कि सभी नर्सों ने आज मंगलवार को दो घंटे काम बंद कर डीन कार्यालय का घेराव किया गया। नर्सों का विरोध प्रदर्शन उप अधीक्षक डॉक्टर रिचा शर्मा की अभद्रता को लेकर था। श्रीमति शर्मा अपने पद का गलत इस्तेमाल कर नर्सों को अपमानित करती है। शनिवार को कार्यालय में जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। डॉक्टर शर्मा को निलंबित करने की मांग को लेकर ज्ञापन डीन को सौंपा गया है। कार्रवाई नहीं होने पर समस्त नर्स काम बंद हड़ताल पर चली जाएगी।

फल की पेटी में छिपा हुआ था अजगर

जबलपुर, यशभारत। जबलपुर के रामपुर मे सोमवार की शाम उस समय हड़कंप मच गया जब एक फ्रूट की दुकान मे विशाल अजगर छिपकर बैठा हुआ था। दुकान संचालक ने जैसे ही ग्राहक को फ्रूट देने के लिए पेटी मे हाथ डाला तो उसके होश उड़ गए। उसने देखा की फ्रूट की पेटी मे आठ फीट का अजगर बैठा हुआ है। जिसके बाद व्यापारी संदीप ने एनिमल वेलफेयर सोसायटी को सूचना दी। टीम ने अजगर का रेस्क्यू करते हुए उसे पकड़कर डुमना के जंगलों मे छोड़ दिया। सोमवार की शाम को आमीज़ सेंटर जी.आर.सी के रामपुर स्थित मुख्य द्वार के समीप एक फ्रूट की दुकान में एक आठ फीट के अजगर फ्रूट की पेटी में बैठा हुआ था जिसका रेस्क्यू किया गया। दरअसल लगातार बरसात के चलते सुरक्षित आसरे की तलाश में सभी हैं। लिहाजा अजगर भी दुकान में रखी एक फल की पेटी में जा घुसा था। दुकान संचालक ने देखा कि फ्रूट की पेटी में एक अजगर घुसा हुआ है। जिसके बाद वन विभाग को सूचना दी गईज़। विभाग की ओर से जबलपुर एनिमल वेलफेयर सोसायटी के मेंबर अंकिता पांडे और संदेश तिवारी को मौके पर पहुंचे। रेस्क्यू टीम की अंकिता पांडे ने फ्रूट पेटियों को अलग करते हुए बड़ी ही होशियारी के साथ अजगर को पकड़ा और उसे सुरक्षित प्राकृतिक वातावरण में छोड़ दिया गया।

खराब सड़कों की जल्द होगी मरम्मत महापौर अन्नू

- **महापौर ने नगर निगम के सभी विभागों का किया निरीक्षण**
- **नगर निगम कर्मचारियों अधिकारियों से महापौर ने की मुलाकात**

जबलपुर, यशभारत। मंगलवार को महापौर जगत बहादुर सिंह अनु द्वारा नगर निगम मुख्यालय के सभी विभागों का निरीक्षण किया गया इस दौरान उन्होंने सभी विभागों में जाकर अधिकारी कमज़्चारियों से मुलाकात की और उनके हालचाल जाने इस दौरान उन्होंने सभी की समस्याएं भी सुनी और शीघ्र निराकरण का आश्वासन दिया मीडिया से चचाज़ के दौरान महापौर ने बताया कि यह कोई निरीक्षण नहीं था वे बस अपने सहयोगी अधिकारियों कमज़्चारियों से एक सौजन्य भेंट करने गए थे और उनके हालचाल पूछने गए हुए थे जिसको लेकर सभी लोगों ने उन से चचाज़ की और अपनी अपनी बातें सामने रखी। इसके अलावा उन्होंने जानकारी दी कि बारिश के कारण शहर में जो सड़कें खराब हो गई हैं उनके सुधार कायज़ के लिए उन्होंने नगर निगम कमिश्नर को पत्र के माध्यम से सूचित किया है और जल्द से जल्द उनकी रिपेयरिंग होगी।

दोस्तों के साथ जबलपुर आ रहे युवक को कार चालक ने रौंदा : खुल गया सिर, मौत

जबलपुर, यशभारत। दोस्तों के साथ बीजाडांडी से जबलपुर लौट रहे बाइक सवार युवक को बेकाबू कार चालक ने सीधी टक्कर मार दी। हादसे के दौरान बाइक सवार उछलकर रोड से दस फिट दूर जा गिरा। जिसे आनन-फानन में स्थानीय अस्पताल के बाद एक निजी अस्पताल में भर्ती किया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गयी। मदनमहल पुलिस ने मर्ग कायम कर, मामला जांच में लिया है। मेडिकल पहुंचे परिजनों ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि राहुल बर्मन 28 साल पिता सोमनाथ बर्मन मूलत: मानेगाव पाठा का निवासी था जो वर्तमान में गोरखपुर में निवासरत है। देर रात अपने तीन दोस्तों के साथ बाइक से बीजाडांडी से गोरखपुर आ रहा था, तभी देर रात रास्ते में एक अज्ञात कार चालक ने सीधी टक्कर मार दी। हादसे में इलाजरत युवक ने दम तोड़ दिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

रेलवे बोर्ड की यात्री सेवा समिति का जबलपुर आगमन

मैहर रेलवे स्टेशन का निरीक्षण करने होंगे रवाना

जबलपुर यश भारत। रेलवे बोर्ड द्वारा गठित यात्री सेवा समिति के अध्यक्ष एवं तीन सदस्यों का जबलपुर मंडल में 3 दिवसीय निरीक्षण के लिए आज नगर आगमन हुआ इस समिति के अध्यक्ष रमेश चंद्र रतन एवं सदस्य यतीन्दर सिंह राम किशन गंगाधर तालुपुले के आज जबलपुर आगमन होने पर समिति का स्वागत अपर मंडल रेल प्रबंधक दीपक कुमार गुप्ता वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक विश्वरंजन एवं मंडल वाणिज्य प्रबंधक सुनील श्रीवास्तव एवं देवेश कुमार सोनी ने किया। जबलपुर में कुछ समय रुकने के उपरांत समिति के अध्यक्ष श्री रतन एवं तीनों सदस्य रेल अधिकारियों के साथ निरीक्षण के लिए दोपहर में मैहर स्टेशन के लिए रवाना हो गए मैहर में यह टीम रेल सेवा से संबंधित मंडल में उपलब्ध सुविधाओं का निरीक्षण करेगी।

संपादकीय

सेब बाजार कब्जाने की जुगत में बड़ी कंपनियां

बाजार की बड़ी ताकतों के हस्तक्षेप से घटता मुनाफा हिमाचल प्रदेश के सेब उत्पादकों के कष्टों का सबब बना हुआ है। बड़ी पूंजी की ये कंपनियां अपनी ताकत से फसल की पैदावार पर बड़ी खरीद से बाजार मूल्य को प्रभावित कर रही हैं। ये कंपनियां पीक सीजन पर फसल की कीमत गिरा देती हैं और ऑफ सीजन पर मनमाने दाम वसूलती हैं। जिससे सेब उत्पादकों का मुनाफा कम हो जाता है। फसल पकने पर औने-पौने दामों पर सेब खरीदकर नियंत्रित तापमान वाले भंडारगृहों में जमा कर लेती हैं। जब ऑफ सीजन आता है तो मनमाने दामों पर सेब की फसल बेचने लगती हैं। जिससे उत्पादकों को न्यायोचित मुनाफा नहीं मिल पाता। वहीं आम उपभोक्ताओं को भी महंगे दामों में सेब खरीदना पड़ता है। कुल मिलाकर बड़ी पूंजी की कंपनियां सेब बाजार को कब्जाने की जुगत में हैं। हाल के दिनों में सेब उत्पादकों की परेशानियों में लगातार इजाफा हुआ है। दरअसल, सेब की पैकेजिंग करने वाले सामान पर जीएसटी लगने से बागवानों की लागत बढ़ी है। वहीं कीटनाशकों के दामों में वृद्धि, सेब को तोड़ने, पैक करने की लागत बढ़ने तथा पेट्रोलियम पदार्थों की कीमत वृद्धि से परिवहन लागत में वृद्धि हुई है। किसान लगातार सरकारों से मांग कर रहे हैं कि उनकी उपज के मूल्य का न्यायसंगत भुगतान हो। उत्पादकों में यह मांग जोर पकड़ती जा रही है कि सेब की फसल का न्यूनतम समर्थन मूल्य निर्धारण से समस्या का समाधान संभव है। दरअसल, किसानों की मांग है कि एमएसपी का निर्धारण प्रति पेटी के बजाय प्रति किलो सेब के आधार पर हो। साथ ही उनकी उपज के समय पर भुगतान, लोडिंग कीमतों के निर्धारण तथा नीलामी के माध्यम से फसल की बिक्री जैसे प्रावधान किये जाएं। वे राज्य व केंद्र सरकार से अविलंब हस्तक्षेप की मांग कर रहे हैं। बागवान चेता रहे हैं कि यदि सरकारें कदम नहीं उठाती तो वे अदालत की शरण में जा सकते हैं। निस्संदेह सेब उत्पादकों की आय बढ़ाने हेतु सरकारी हस्तक्षेप अपरिहार्य ही है। दरअसल, बागवानों की समस्याएं देश के किसानों से अलग नहीं हैं जो अपनी उपज के न्यूनतम समर्थन मूल्य के हक को कानूनी दर्जा दिलाने को संघर्षरत हैं। दरअसल, बड़ी पूंजी की कंपनियों की मनमानी की आशंका के चलते ही देशभर के किसानों ने तीन कृषि सुधार कानून का करीब एक साल तक विरोध किया। कृषि उत्पाद बाजार को नियंत्रित करने की किसानों की आशंका हिमाचल के सेब बाजार में नजर आ रही है। जैसा कि दुनिया के तमाम विकासशील देशों में हो रहा है और कृषि व फल उत्पादकों को लाचार स्थिति में ला खड़ा किया है। लगता है हिमाचल के आसन्न विधानसभा चुनाव में सेब उत्पादकों की समस्याएं बड़ा मुद्दा बन सकती हैं। किसान न्यूनतम समर्थन मूल्य व सब्सिडी को इस समस्या के समाधान के रूप में देख रहे हैं। जिसके लिये वे सरकारों पर दबाव बनाने के मूड में हैं। यह भी तथ्य है कि हिमाचल के सकल घरेलू उत्पाद में सेब की हिस्सेदारी 13.5 फीसदी है।

अपने ही प्रदेश में भ्रष्टाचार की आंच में घिरती ममता दीदी

केंद्र की राजनीति में विपक्ष को एकजुट करके प्रधानमंत्री बनने का सपना देखने वाली बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी अपने ही प्रदेश में घिरती जा रही हैं।प्रदेश में विभिन्न योजनाओं में हुए भारी घोटाले उनके सामने बड़ी चुनौती बनते जा रहे हैं।शिक्षक भर्ती घोटाले में सीबीआई और इडी के शिकंजे में फंसे प्रदेश के पूर्व शिक्षा मंत्री द्वारा किए करोड़ों के घोटाले की आंच उन्हें भी प्रभावित करने लगी है। इससे शर्मनाक बात क्या होगी कि हाल में कलकत्ता हाईकोर्ट ने बेसिक शिक्षा में एक व्यक्ति की छीनी गई नौकरी के मामले में टिप्पणी करते हुए यहां तक कहा दिया कि बंगाल ऐसी जगह बनता जा रहा है जहां बिना रूपये के कोई काम नही होता।

अपने अक्खड़ व्यवहार के लिए प्रसिद्ध रहीं बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सबसे चुनौतीपूर्ण दौर से गुजर रही हैं।स्कूल सर्विस कमीशन की ओर से अवैध शिक्षक भर्ती घोटाला अकेला सरकार के सामने बड़ा संकट पैदा किये हुए हैं। इसमें पात्र युवकों की नियुक्ति नही की गई, किंतु लाखों रूपये लेकर उन्हें नियुक्ति दे दी गई जो इसके योग्य नही थे।विरोध स्वरूप पात्र होकर भी नियुक्त न होने वाले आंदोलन करने पर उतर आए। धरने और प्रदर्शन हुए। राज्य के जिन मेधावी बेरोजगार युवाओं के सपने चकनाचूर हुए सपने हैं,वे कलकत्ता की गांधी प्रतिमा के पास पिछले 500 से ज्यादा दिनों से अनशन कर रहे हैं।

कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश पर सीबीआई की जांच में अब इस घोटाले की परत दर परत खुलने लगीं। इस मामले में और पूर्व शिक्षामंत्री पार्थ चटर्जी और उनकी महिला मित्र अर्पिता गिरफ्तार हो चुकी हैं। इस घोटाले के मुख्य आरोपी क् पार्थ चटर्जी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी)के बार-बार पूछे जाने पर इस सवाल का जबाब नही दे रहे कि उनकी महिला मित्र के पास से बरामद 50 करोड़ रुपये, गहने और जमीन-फ्लैट किसके हैं। वे बार -बार यही कहते हैं कि उनके खिलाफ षड्यंत्र किया गया है।हालांकि वह यह स्वीकार करने लगे हैं कि वह अपने दल के कई नेताओं के कहने पर भर्तियां करवाते थे। पार्थ और अर्पिता मिलकर आठ फर्जी कंपनियां चलाते थे। इनके खाते ईडी ने फ्रीज करवा दिए हैं। पार्थ की एक और महिला मित्र ने नाम प्रदेश में दस फ्लैट बताए जाते हैं। गिरफ्तारी के डर से वह बंगला देश भागी हुई हैं।

प्रदेश में शिक्षा विभाग में इतना बड़ा घोटाला हुआ,प्रश्न है कि मुख्यमंत्री ने खुद आगे आकर क्यों नही कार्रवाई की। मामला हाईकोर्ट तक क्यों जाने दिया ?राजनैतिक खेमों में उनकी इस चुप्पी का कारण घोटाले के कर्ता- धर्ता पार्थ का उनके नजदीकी होना बताया जाता है।

इतना ही नहीं राज्य में हुए कोयला घोटाले में ईडी ने राज्य के आठ आईपीएस अफसरों को पूछताछ के लिए दिल्ली बुलाया है। ये लोग तस्करी वाले जिलों में अपनी सेवाएं दे चुके हैं।उधर सीबीआई ने पशु तस्करी में टीएमसी नेता अनुब्रत मंडल को गिरफ्तार कर लिया है।जहां प्रदेश का ये हाल है वहीं घोटालों और ग ?ब ?ी के कारण तीन अहम केंद्रीय योजनाओं- मनरेगा, पीएम ग्रामीण स ?क योजना और आवास योजना- का पैसा रुका हुआ है। केंद्र का कहना यह है कि प्रदेश इस राशि के व्यय की जानकारी नही दे रही।

शिक्षक नियुक्ति को लेकर सरकार की प्रदेश में बहुत बदनामी हो रही है। ममता दीदी महसूस करें या न करें किंतु उनके मंत्री-मंडल से सदस्य इसे अच्छी तरह महसूस कर रहे हैं। वे मानते हैं कि शिक्षक भर्ती में हुए घोटाले से उनकी छवि बुरी तरह प्रभावित हुई है। प्रदेश सरकार के मंत्री फिरहाद हकीम ने इस प्रदेश सरकार के एक मंत्री फिरहाद हकीम ने इस बारे में साफ साफ कहा। उन्होंने कहा कि पार्थ चटर्जी के मामले में हमें शर्म आती है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हम सभी भ्रष्टाचारी हैं। हमने अपना अधिकांश जीवन परिवार को न देकर सामाजिक सेवा में लगाया। ऐसा हमने इसलिए नहीं किया कि हमें भ्रष्टाचारी कहा जाए।

ममता भले ही महसूस न करें किंतु प्रदेश सरकार के मंत्री फिरहाद हकीम के कथन की सच्चाई को वह नकार नही सकतीं।अभी हाल ही में कलकत्ता उच्च न्यायालय की एकल न्यायाधीश-पीठ की टिप्पणी राज्य में फैले भ्रष्टाचार को बताने के लिए काफी है। कोर्ट ने मिराज शेख के मामले में कहा कि पश्चिम बंगाल एक ऐसा राज्य बन गया है, जहां कोई भी बिना पैसे दिए राज्य सरकार की नौकरी को सुरक्षित या बरकरार नहीं रख सकता है। न्यायमूर्ति अभिजीत गंगोपाध्याय की एकल-न्यायाधीश पीठ ने अपनी नियुक्ति के चार महीने बाद मिराज शेख के एक सरकारी स्कूल में प्राथमिक शिक्षक की बर्खास्तगी से संबंधित फैसला सुनाते हुए पश्चिम बंगाल प्राथमिक शिक्षा बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष और तृणमूल कांग्रेस के विधायक माणिक भट्टाचार्य के नाम का भी जिक्र किया।श्री गंगोपाध्याय ने कहा, च्शायद, वादी ने माणिक भट्टाचार्य को पैसे नहीं दिए और इसलिए उनका रोजगार समाप्त कर दिया गया। पश्चिम बंगाल एक ऐसा राज्य बन गया है, जहां कोई भी बिना पैसे दिए राज्य सरकार की नौकरी हासिल नहीं कर सकता है। मिराज शेख को दिसंबर 2021 में पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के एक सरकारी स्कूल में प्राथमिक शिक्षक के रूप में नियुक्त किया गया । सेवा में शामिल होने के ठीक चार महीने बाद यह कहते हुए उनकी सेवा समाप्त कर दी गई कि उनके पास बोर्ड के मानदंडों के अनुसार आरक्षित श्रेणी में नियुक्त होने के लिए स्नातक में 45 प्रतिशत के योग्यता अंक नहीं हैं। शेख ने आदेश को चुनौती दी और समर्थन में उन्होंने अपना स्नातक प्रमाणपत्र प्रस्तुत किया। इसमें उनके प्राप्त अंक 46 प्रतिशत थे।दोनों पक्षों की दलीलें सुनने और वादी द्वारा रखे गए दस्तावेजों से संतुष्ट होने के बाद न्यायमूर्ति गंगोपाध्याय वादी को प्राथमिक शिक्षक के रूप में तुरंत बहाल करने का आदेश दिया। इसके बाद उन्होंने यह टिप्पणी की ।

अशोक मधुप

भुखमरी-कुपोषण बढ़ा गई महामारी

भोजन जीवन की आधारभूत आवश्यकता है, जिसके अभाव में जीने की कल्पना करना भी असंभव है। पर्याप्त मात्रा में इसकी उपलब्धता जितनी अनिवार्य है, उतना ही महत्वपूर्ण है सम्पूर्ण आहार के तौर पर पोषक तत्वों का समुचित समावेश। वर्ष 2019 का वर्षांत न केवल दैवीय प्रकोप के रूप में अपने साथ कोरोना महामारी लेकर आया अपितु आपातकालीन परिस्थितियों सहित वैश्विक व्यवस्थाओं को विभिन्न स्तरों पर भीषण आर्थिक मंदी का सामना भी करना पड़ा। खाद्यान्न उपलब्धता पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ना स्वाभाविक था। यूएन की 'द स्टेट ऑफ फूड सिक्योरिटी एंड न्यूट्रिशन इन द वर्ल्ड, 2022' रिपोर्ट' बताती है कि 2019 के पश्चात विश्वभर में भुखमरी का आंकड़ा तीव्र गति से बढ़ा। जहां 2019 में विश्व के 61.8 करोड़ लोग भूख से संघर्षरत थे, वहीं 2021 में यह संख्या बढ़कर 76.8 करोड़ तक जा पहुंची। भुखमरी के आंकड़ों में विगत 15 वर्षों से अनवरत जारी बढ़ोतरी में कोरोना काल के दौरान अप्रत्याशित वृद्धि देखी गई।

इस संदर्भ में यद्यपि भारत की स्थिति को बेहतर आंका जा रहा है, तथापि सर्वेक्षण के अनुसार, अभी भी 22 करोड़ भारतीय लोगों को भरपेट भोजन उपलब्ध नहीं हो पाता। रिपोर्ट के मुताबिक, 2021 में वैश्विक स्तर पर भुखमरी के शिकार 76.8 करोड़ लोगों में 29 प्रतिशत भारतीय थे। भुखमरी मिटाने की यह रफ्तार भले ही विकसित देशों की अपेक्षा कम अथवा पड़ोसी राष्ट्रों से बेहतर रही हो, किंतु रिपोर्ट बताती है कि 2021 में भारत की कुल 22.4 करोड़ आबादी कुपोषण का शिकार पाई गई। एक प्रकाशित सर्वेक्षणानुसार, 70.5 प्रतिशत भारतीय पोषाहार से वंचित हैं। बड़ी संख्या में भारतीय वयस्कों के मोटापाग्रस्त होने तथा महिलाओं के एनीमिया-पीड़ित होने संबंधी विवरण भी दिया गया है। रिपोर्ट के तहत 15 से 49 आयुवर्ग के 3.4 करोड़ लोग ओवरवेट' श्रेणी में सम्मिलित हो चुके हैं। जबकि 4 वर्ष पूर्व यह संख्या 2.5 करोड़ थी। महिला रक्ताल्पता मामलों की संख्या 2019 में लगभग 17.2 करोड़ रही, जबकि 2021 में भारत की कुल 18.7 करोड़ भारतीय महिलाएं एनीमिक पाई गईं। 'ग्लोबल हंगर इंडेक्स-2021'' के अनुसार, भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा खाद्य उत्पादक देश है। दूध, चावल, मछली, सब्ज़ी तथा गेहूं उत्पादन में अग्रणी राष्ट्र होने तथा वैश्विक स्तर पर सबसे सस्ता पौष्टिक आहार भारत में उपलब्ध होने पर भी कुल जनसंख्या के एक-चौथाई से अधिक अंश का पोषाहार से वंचित रहना, निःसंदेह आश्चर्यजनक है। इसमें जहां व्यवस्थात्मक प्रबंधन की कमियां उजागर होती हैं, वहीं भारतीय संस्कृति के पारम्परिक आहार नियमन भी एक वजह है। भारतीय सभ्यता में अन्न को देवत्व से जोड़ा गया है। परम्परानुसार भोजन व्यर्थ गंवाना अथवा झूठा छोड़ना सर्वथा निषेध है किंतु परिवर्तित जीवनशैली के आधार पर आयोजित भव्य समारोहों में परोसे गए विविध व्यंजनों का एक बड़ा हिस्सा आस्वादन अतिरेक में कूड़ेदान के हवाले कर दिया जाता है, जो कि अनेक जरूरतमंद लोगों का क्षुधापूरक बन सकता था। आज भी सरकारी व्यवस्था का असंतोषजनक व अव्यवस्थित होना सर्वाधिक विडंबना का विषय है। जहां लाखों लोग दाने-दाने को मोहताज हैं, वहीं प्रतिवर्ष लाखों टन अनाज कुव्यवस्था की भेंट चढ़ जाता है। पोषाहार व मुफ्त अनाज आवंटन योजनाओं की विसंगति तथा सभी जरूरतमंद लोगों तक पहुंच बना पाना एक यक्ष प्रश्न है तो गुणवत्ता मूल्यांकन में अक्षरशः खरा उतरना एक संदेहास्पद विषय। अभक्ष्य आहार से क्षुधापूर्ति व गुणवत्ता रहित अथवा कम गुणवत्ता वाले अनाज से सम्पूर्ण पोषक तत्वों की आपूर्ति भला कैसे संभव है? रासायनिक खादों तथा कीटनाशकों का असीमित प्रयोग पोषक तत्वों पर प्रतिकूल प्रभाव डालने सहित अन्न की प्राकृतिक गुणवत्ता को भी प्रभावित करता है। संतुलित आहार, मात्रा आदि से संबंधित अपर्याप्त जानकारी भी रक्ताल्पता जैसी स्वास्थ्यजनित समस्यायों में असामान्य वृद्धि का बड़ा कारण हैं। आवश्यक शारीरिक सक्रियता का अभाव एवं 'जंक फूड'' का बहुप्रचलन युवाओं में मोटापे की समस्या बनकर उभर रहा है। 'रेडी टू ईट'' परंपरा का अनुसरण समय व श्रम भले ही बचाता हो लेकिन इसके दूरगामी प्रभाव कुपोषण व स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं ही लेकर आते हैं। महानगरीय अतिव्यस्तता जिस जीवनशैली को आधुनिकता का पर्याय मानने लगी है, वही शारीरिक तथा मानसिक रुग्णता का कारण बन रही है। भोजन बनाना, परोसना, ग्रहण करना व बचे अन्न का सद्प्रयोग हमारे परम्परागत संस्कार हैं, इनकी अवहेलना से केवल विकार ही उत्पन्न होंगे और विकारों से आरोग्य व पोषकता की अपेक्षा कैसे व क्योंकर हो सकती है? आवश्यकतानुसार परोसना तथा मिल-बांटकर खाना ही हमारी सांस्कृतिक विलक्षणता है। वही व्यवस्था श्रेष्ठतम आंकी जा सकती है जो न केवल अन्न के मंडीकरण, भंडारण, वितरण आदि के समुचित प्रबन्धन के प्रति निष्ठापूर्वक जिम्मेवार हो बल्कि निर्धनता, बेरोजगारी, महंगाई, अज्ञानता जैसी सामाजिक समस्याओं के उन्मूलन हेतु भी संकल्पबद्ध हो ताकि देश की प्रत्येक थाली में भरपेट संतुलित भोजन मिल पाए।

दीपिका अरोड़ा

आपका राशिफल 24 अगस्त

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ) — व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। अभी आश्वासनों से संतोष करना पड़ेगा। शुभांक-2-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो) — मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-4-6-8

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा) — यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। परिवारजनों का सहयोग बना रहेगा। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-5-7-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो) — राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। धीरे-धीरे लाभ का मार्ग प्रशस्त होगा उचित समय का इन्तजार करें। मेहमानों का आगमन होगा। छात्रों को लाभ। शुभांक-4-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे) — आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शत्रुपक्ष से सावधान रहें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। इच्छित स्थान की यात्रा का योग हैं। शुभांक-2-5-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — ''आगे-आगे गौरख जागे'' वाली कहावत चरितार्थ होगी। मेहमानों का आगमन होगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल व समन्वय बनाय। मीठे बोलने वालों से संभल कर रहें। शुभांक-4-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते) — जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू) — लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय समान रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। विशिष्ट जनों से मेल-मुलाकात होगी। शुभांक-2-4-6

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे) — जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-4-6-7

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी) — प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-1-3-5

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा) — कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। होश में रहकर कार्य करें। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। शुभांक-3-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची) — राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-2-4-6

फिल्म वर्ग पहेली- 5905

ऊपर से नीचे:-

१. 'हय्या हू' गीत वाली गोविंदा, ऐश्वर्या की फिल्म-४
२. एलबम 'मैं भी मैडोना' का गायक ?-२
४. 'शहर की लड़की' गीत वाली फिल्म-३
५. नासिर खान, मीनाकुमारी की फिल्म-३
६. अमिताभ वाली 'याराना' की नायिका ?-२
८. 'कुर्बानी' में फिरोज की नायिका ?-३
१३. 'बंबई से रेल चली' गीत वाली फिल्म-३
१४. अनिल, जूही, करिश्मा की फिल्म-३
१५. अरविंद स्वामी, मधु की 'दिल है छोटा सा' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'चोरी चोरी कोई आए' गीत वाली फारूख, पूनम की फिल्म-२
१९. 'एहसास' में सुनील शेट्टी की नायिका-२
२०. फिल्म 'मदर इंडिया' में शीर्षक भूमिका किसने की थी ?-३
२१. अनिल, मीनाक्षी की 'जिंदगी हर कदम' गीत वाली फिल्म-२,२
२३. गोविंदा, नीलम की 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'झूठे नैना बोले' गीत वाली फिल्म-३
२७. उमादेवी के गाये 'अफसाना लिख रही हूँ' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'तितली उड़ी' गीत राजेंद्रकुमार की किस फिल्म का है-३
२९. जीतेंद्र, रणधीर, राकेश, रेखा की फिल्म-३
३०. 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीतवाली फिल्म-३
३२. विवेक, दीया मिर्जा की फिल्म-२
३४. अमिताभ की 'खाइके पान' गीत वाली फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, अमृता की 'मैं माटी का गुड्डा' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली सनी, सुष्मिता की फिल्म-२
५. 'गवाह हैं चाँद तारे' गीतवाली फिल्म-३
७. 'धीरे धीरे आप मेरे दिल में' गीत वाली आमिर, जूही की फिल्म-२
९. धर्मेन्द्र, सुनीलदत्त, संजय, सनी, रवीना, दिव्या की बहु सितारा फिल्म-३
१०. 'कोयल सी तेरी बोली' गीत वाली फिल्म-२
११. 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली संजयदत्त, फरहा की फिल्म-३
१२. 'फूल माँगू ना' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'आजा जाने जाँ' गीतवाली सुनील शेट्टी, सोमी अली की फिल्म-२
१६. 'दिल के टुकड़े टुकड़े' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'इलाहाबाद में पैदा हुई' गीत वाली देव आनंद, हेमा की फिल्म-४
२२. जीतेंद्र, संजयदत्त, जूही की 'ढूंढ रही थी' गीत वाली फिल्म-४
२५. सनी वाली फिल्म 'जाल' में तब्बू के साथ दूसरी नायिका-२
२६. दिलीप, रेखा, ममता की फिल्म-२
२७. 'चाँदनी रूप की' गीत वाली संजय, सलमान, रवीना की फिल्म-२
२९. 'नशा ये प्यार का नशा है' गीत वाली फिल्म-२
३०. अल्ताफ रजा के गीत 'पीलो प्यार दी विस्की' वाली फिल्म-२
३१. सनी देओल, अमीषा की फिल्म-३
३३. 'राजा की आएगी बारात' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
३५. अमिताभ, परवीन की 'आदमी जो कहता है' गीत वाली फिल्म-४
३६. 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली - 5904

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 6421

★★★✮☆ मध्यम

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6420 का हल

2	3	8	5	1	9	6	4	7
9	6	4	7	3	8	2	5	1
5	1	7	4	6	2	8	3	9
3	2	5	1	9	7	4	6	8
1	8	9	6	4	3	7	2	5
4	7	6	2	8	5	1	9	3
6	4	3	8	5	1	9	7	2
8	9	2	3	7	4	5	1	6
7	5	1	9	2	6	3	8	4

फुहारों में खूब फबेंगे चटख रंग

टिप-टिप बरसता पानी और उसमें भीगना हर किसी को अच्छा लगता है। लेकिन साथ ही चिंता हो जाती है कपडों, मेकअप, हेयर स्टाइल की। यदि मानसून के मुताबिक पहनावे के लाइट फेब्रिक, चटख रंगों के साथ ही मेकअप की पहले से ही योजना बनाकर चलें तो स्टाइल भी बरकरार रहेगा और फुहारों का लुत्फ भी।फुहारों के मौसम का आनंद बहुत है, लेकिन एहतियात भी काफी रखना होता है। अन्यथा रोज के कपडे, मेकअप, स्टाइल...सब भीग जाएंगे बारिश में। ये सब चीजें आपका बाहरी व्यक्तित्व निखारते हैं। इसके लिए जरूरी है स्मार्ट योजना बनाने की व उस पर अमल करने की। इस सफर की शुरुआत मानसून पैकेज यानी वार्डरोब से लेकर स्टाइल में बदलावों से करनी बेहतर है।

ड्रेस में स्पेशल फैब्रिक

इस मौसम में कॉटन के कपडों को अलमारी के आखिरी रैक में रख दें। दरअसल, बारिश में भीगने पर कॉटन के कपडे शरीर से चिपक जाते हैं और इन्हें सूखने में घंटों लगते हैं। ऐसे में जरूरी है उस फैब्रिक का चयन करना जो झीना नहीं हों और कॉटन जैसा आराम पहुंचाए। इनमें शिफॉन, नायलॉन या सिंथेटिक फैब्रिक शामिल हैं। बता दें कि ये तीनों फैब्रिक शरीर पर चिपकते नहीं हैं और जल्दी सूखते हैं। इस मौसम में डेनिम, रेयॉन, सिल्क, सैटिन व अन्य मोटे फैब्रिक का चयन नहीं करें तो बेहतर है।

वार्डरोब में हो रंगों की बहार

कभी ऐसा हो कि बारिश से मन बुझा-बुझा रहता हो। इसका कारण है कि कई बार जो आप सोचते हों, उसमें मौसम की मार पड जाती है। यानी मूड ऑफ। तो क्यों न इस मौसम में मूड को रंगों से रंगें। इसमें मददगार होंगे ब्राइट कलर्स, जैसे- ब्राइट पिंक, ब्लू, ऑरेंज, येलो आदि। कपडों में इन रंगों को ही महत्व दें। काले और सफेद कपडों को बिल्कुल नहीं पहनें क्योंकि इन पर लगा दाग उभरकर दिखता है। ऑफिस व दोस्तों के साथ ब्राइट कलर की टॉप व बॉटम पहनें। कुछ दिनों के लिए रेड और ऑरेंज कलर से दोस्ती कर लें।

इन्हें भी जगह दें

आप वेस्टर्न या इंडो वेस्टर्न पहनती हैं तो वार्डरोब में खास कपडों को जगह दें, जैसे- स्लीवलेस क्रॉप टॉप, लूज ट्राउजर्स, काफ्तान टॉप्स, फ्लेर्ड ड्रेस, मिडी ड्रेस, क्रैपी, ओवर साइज टीशर्ट और एंकल लेंथ पैंट। स्किन टाइट जींस इस मौसम में नहीं पहनें तो कंफर्ट रहेगा। यदि जींस भीग गई, तो बारिश और नमी आपको असहज महसूस करवाएगी।

कम से कम एक्सेसरीज

रोज आप स्टाइलिंग करती हैं, जिसमें एक्सेसरीज की अहम भूमिका है। इस मौसम में कुछ दिनों के लिए इनसे दूरी बना लें। सोचिए कहीं भीग गए, तो कितना असहज महसूस करेंगी आप। साथ ही स्किन एलर्जी भी हो सकती है। हैंडबैग वॉटर प्रूफ रखें। बैग में वैनिटी में वाइप्स जरूर रखें। बैग छोटे साइज का रखें। एक्सेसरीज से फैशनिस्टा बनना है, तो ब्राइट कलर्स और बडे प्रिंट्स में रेन कोट व छतरी रखें।

जूतों के फैशन को ना

बारिश के मौसम में फ्लिप फ्लॉप्स या स्लिप ऑन सही रहते हैं। ये जल्दी सूख जाते हैं। यदि आप पब्लिक ट्रांसपोर्ट का प्रयोग करती हैं, फिर तो ये उम्दा हैं। यदि ऑफिस आने-जाने के लिए कार का इस्तेमाल करती हैं, तो रेन बुटीज स्टाइल और कम्फर्ट के लिए उम्दा हैं। चाहें तो ऑफिस में अलग से वर्क शूज रखिए। आपको पता है कि ऑफिस पहुंचते-पहुंचते भीग जाएंगी, तो बैग में एक्स्ट्रा कपडे और टॉवेल रखना ठीक है। इस मौसम मे बहुत चमक-दमक से तैयार नहीं हों। स्नीकर्स से भी बचें। लेदर शूज व सैंडल नहीं पहनें। मौसम चमक बिगाडेगा, साथ ही आपको असहजता देगा। ब्यूटी एंड वेलनेस एक्सपर्ट रिचा अग्रवाल बताती हैं कि इस मौसम में आप स्किन केयर में क्लीनिंग, टोनिंग और मॉश्चराइजिंग नहीं भूलें व हैवी मेकअप से बचें। मेकअप न्यूट्रल रखें। कॉस्मेटिक वॉटरप्रूफ होने चाहिए, तभी भीगे मौसम में भी लंबे समय तक मेकअप टिका रहेगा। मैट लिपस्टिक या लिप बाम लगाकर वाटर प्रूफ लिप लाइनर से होंठों को शेप दें।

विचार प्रवाह

भगवान के पास भिखारी नहीं भक्त बनकर जाना। भिखारी जो भगवान से मकान दुकान की भीख मांगते हैं और भक्त जो भगवान से भगवान बनने की सीख मांगते हैं। थोड़ा है, थोड़ा और चाहिए यह भिखारी की भाषा और वंदे तद्गुण लब्ध्ये यह भक्त की परिभाषा है। हे प्रभु जो तूने छोड़ा है वह मुझे मिल जाए यह याचना है और जो तूने पाया है वह मुझे मिल जाये यह प्रार्थना है।

-मुनिश्री तरुण सागर

शब्द पहेली - 7461

बाएँ से दाएँ

1. ईसा मसीह-3
3. जवान,तरुण-3
5. आकाश,व्योम-2
6. परत,अस्तर-2
8. गर्जना,दहाड़ना-4
11. मदद,आराम-3
13. सुगंध,खुशबू-3
14. धूल,मिट्टी-2
15. छत्तीसगढ़ की राजधानी-2
16. पिता,आविष्कारक-3
18. नस्ल,जाति,प्रजाति-3
20. ओस,रजनीजल-4
23. भीगा हुआ-2
25. बल,ताकत,दम-2
26. तेल या घी में पकाना -3
27. मसाज-3

ऊपर से नीचे

1. रसना,जिव्हा-2
2. सचेत,सावधान-3
3. जरुरत,आवश्यकता-3
4. ऋतु,मौसम-2
5. दृश्य,तमाशा-3
7. कंठ,गला-3
9. रीती,रिवाज-2
10. प्रसिद्ध,नामवर-4
12. तीर रखने का पात्र-4
16. भूमि,धरा-3
17. खदान,माईन-2
19. तरंग,हिलोर-3
21. प्रवाहित करना-3
22. भीड़,समूह-3
24. राय,वोट-2
25. उत्साह,ललक-2

शब्द पहेली -7460 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

भोपाल में तबाही की बारिश, राजस्थान तक अलर्ट

उफान पर नदी-नाले, गांधीसागर बांध के 10 गेट खुले

भोपाल, यशभारत। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल समेत अन्य कई जिलों में भीषण बारिश का कहर देखने को मिल रहा है। मौसम विभाग द्वारा मालवा - निमाड़ के समस्त जिलों में जारी किए गए अलर्ट के बाद यहां भीषण बारिश हो रही है। जिसके कारण सभी नदी - नाले उफान पर हैं। विभिन्न पुलों पर पानी होने से कुछ गांवों का संपर्क मुख्यालय से टूट गया है। साथ ही इलाके के सबसे बड़े बांध गांधीसागर के 10 गेट भी खोल दिए गए हैं। बांध में पानी बढ़ने के बीच बांध के ऊपरी क्षेत्र के 13 गांवों और निचले इलाके में राजस्थान के कोटा तक अलर्ट जारी कर दिया गया है। इस बीच उफनते नदी - नालों को वाहन चालकों द्वारा लापरवाही पूर्वक जान जोखिम में डालकर पार करने के वीडियो भी सामने आए है।

अति-वर्षा से राजधानी पानी-पानी, देर रात सड़कों पर निकले सीएम शिवराज, जांचीं व्यवस्थाएं

बीते दो दिन से लगातार हो रही भारी वर्षा के चलते राजधानी भोपाल में जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। अनेक इलाकों में जलभराव की स्थिति निर्मित हो गई, वहीं तेज आंधी की वजह से सैकड़ों पेड़ धराशायी हो गए और विद्युत आपूर्ति व्यवस्था भी ठप हो गई। इसके चलते लोग घंटों अंधेरे में रहने को मजबूर हो गए। सोमवार देर रात करीब 12 बजे सीएम शिवराज सिंह चौहान भी सड़कों निकले और अति वर्षा से उत्पन्न स्थितियों का जायजा लिया। वह मुख्यमंत्री निवास से निकलकर पहले प्रोफ़ेसर कॉलोनी पहुंचे और इसके बाद किलोल पार्क चौराहे के पास सिविल लाइंस क्षेत्र में चल रहे बिजली सुधार कार्य को देखा। उन्होंने कर्मचारियों से बिजली व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए कहा। साथ ही तत्परता से की जा रही सुधार कार्रवाई के लिए बिजली कर्मचारियों की सराहना भी की। इसके अलावा सीएम शिवराज ने स्टेट सिचुएशन रूम मंत्रालय में बैठक कर विभिन्न जिलों के कलेक्टरों के साथ वीसी के जरिए संवाद करते हुए अधिक वर्षा से उत्पन्न स्थिति की जानकारी ली। साथ ही अधिकारियों को जनता कीसहायता के लिए आवश्यक निर्देश दिए।

कमल नाथ ने ट्वीट कर शिवराज सरकार को घेरा

पूर्व मुख्यमंत्री व कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष कमल नाथ ने वर्षा से राजधानी में जलभराव व बिजली गुल होने पर शिवराज सरकार को घेरा। उन्होंने ट्वीट करते हुए कहा कि बड़ी ही शर्मनाक स्थिति है कि प्रदेश की राजधानी के अधिकांश हिस्सों में रात भर से ही बिजली गायब है। भोपाल घंटों से अंधेरे में डूबा हुआ है। जनता हाहाकार कर रही है, परेशान है। सुनने वाला कोई भी नहीं है। सारे जिम्मेदार मैदान से गायब है। आयोजनों में व्यस्त हैं ।बिजली संकट के कारण जनता को जलसंकट का सामना भी करना पड़ रहा है। बड़े अफसोस की बात है कि यह स्थिति प्रदेश की राजधानी भोपाल की है। बाकी प्रदेश की स्थिति खुद समझी जा सकती है। यह है भाजपा सरकार के 18 वर्ष के स्वर्णिम विकास व तमाम दावों की हकीकत।

भोपाल में आज सभी स्कूल बंद, मौसम विभाग ने कहा- बारिश से राहत अभी नहीं

राजधानी भोपाल में अत्यधिक बारिश ने यहां आम जनजीवन को काफी प्रभावित किया है। इस बीच प्रशासन ने भोपाल में 23 अगस्त यानी मंगलवार को सभी स्कूलों को बंद रखने का आदेश जारी किया है। भोपाल प्रशासन की तरफ से जारी आदेश में कहा गया है, च्भोपाल जिले में लगातार हो रही अतिवृष्टि को देखते हुए विद्यार्थियों की सुरक्षा के दृष्टिगत जिले में संचालित समस्त शासकीय, अशासकीय, नवोदय सीबीएसई से संबंधित समस्त प्राथमिक, माध्यमिक हाई स्कूल हायर सेकेंडरी विद्यालय में दिनांक 23 अगस्त को विद्यार्थियों के लिए अवकाश घोषित किया जाता है ज्

तीन कालोनियों में लोगों के बचाव के लिए चलानी पड़ी नाव

निचली बस्तियों में भरा पानी, 200 से अधिक पेड़ गिरे, 50 से अधिक कालोनियों का संपर्क टूटा राजधानी में तेज बरसात की वजह से शहर में बाढ़ जैसे हालात बन गए। निचली बस्तियों और कालोनियों में पांच से छह फीट तक पानी भर गया। बावड़िया कला स्थित इंडस एंपायर परिसर, कोलार स्थित बंदौरी गांव और नरेला स्थित महामाई के बाग में लोगों के घर डूब गए। नगर निगम अमले द्वारा लोगों का नाव से रेस्क्यू किया गया। वहीं निगम के कालसेंटर में 24 घंटे के अंदर विभिन्न इलाकों से करीब 200 पेड़ गिरने की शिकायतें की गई। नदी-नालों के ऊफान में होने से 50 से अधिक कालोनियों का संपर्क शहर से टूट गया।

सीएम शिवराज ने दिए राहत एवं बचाव कार्य को तेज करने के निर्देश

मंगलवार को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बाढ़ प्रभावित जिलों की समीक्षा की और अधिकारियों से जानकारी ली। मौसम विभाग के रेड अलर्ट को देखते सीएम ने अधिकारियों को राहत एवं बचाव कार्य तेज करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान प्रदेश के बाढ़ ग्रस्त जिलों के दौरे के लिए भोपाल से रवाना हो गए हैं। सीएम शिवराज विदिशा जिले के गंजबासौदा का हवाई सर्वेक्षण कर रहे हैं। बीते दिनों गंजबासौदा में भारी बारिश हुई थी। सीएम यहां स्थितियों का जायजा ले रहे हैं। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान लगातार प्रदेश की स्थितियों पर अपडेट ले रहे हैं। सीएम ने मंगलवार को अतिवृष्टि से प्रभावित क्षेत्रों की जानकारी और विस्तार से चर्चा के लिए सभी मंत्रियों के साथ वर्चुअल बैठक की। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सभी मंत्रियों को अतिवृष्टि प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने और लोगों की मदद करने के लिए कहा है। मंगलवार को होने वाली शिवराज कैबिनेट की बैठक निरस्त कर दी गई है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अधिकारियों को बचाव कर निकाले गए लोगों की समुचित व्यवस्था के निर्देश दिए। साथ ही राहत कैंप में भोजन समेत सभी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। वहीं, उन्होंने अतिवृष्टि या प्रभावित स्थानों में फंसे लोगों को फूड पैकेट बांटने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने मौसम विभाग के अगले 24 घंटे में कई जिलों में भारी बारिश और बाढ़ प्रभावित इलाकों के प्रभावित स्थानों से लोगों को निकालने के रेस्क्यू ऑपरेशन को तेज करने के निर्देश दिए। सीएम को अधिकारियों ने बताया कि एसडीआरएफ, एनडीआरएफ की टीमें प्रभावित इलाकों में मौजूद हैं, जिला प्रशासन और होमगार्ड के जवान भी बोट के द्वारा रेस्क्यू में लगे हुए हैं। हेलीकाप्टर से भी लोगों को निकाला जा रहा है। गांवों को चिन्हित कर लगातार लोगों का रेस्क्यू जारी है। अधिकारियों ने बताया कि नर्मदा नदी में अब जलस्तर स्थिर हो रहा है। बेतवा नदी में भी तेजी से जल स्तर सामान्य हो रहा है।

बैरसिया-भोपाल मार्ग बंद

ईटखेड़ी स्थित हलाली नदी क्षमता से अधिक बह रही है। जिससे ईटखेड़ी के पास पुल से दो फीट ऊपर पानी बह रहा है। ऐसे में बैरसिया से भोपाल पहुंच मार्ग बंद हो गया है। वहीं इसके पानी से आसपास के गांव में बाढ़ की नौबत बन गई है। रहवासियों को ऊंचे स्थानों पर पहुंचने की चेतावनी दी गई है।

पेड़ गिरने से बाइक सवार की मृत्यु

तेज बरसात ने कालोनी और सड़कों पर तबाही मचा दी। शहर में दो से अधिक पेड़ गिरने की सूचना है। जिससे दो दर्जन से अधिक मुख्य मार्ग बंद हैं। नगर निगम अमला पेड़ों को रास्ते से हटाने का प्रयास कर रहा है। वहीं तरुण पुष्कर के पास एक पुराना पेड़ बाइक सवार युवक पर गिर गया, जिससे मौके पर ही उसकी मृत्यु हो गई।

तूफान में गिरा बस स्टाप

रायसेन रोड स्थित आनंद नगर के पास तेज आंधी-तूफान से बस स्टाप उखड़कर सड़क पर जा गिरा। हालांकि इससे किसी को नुकसान नहीं पहुंचा है। निगम अमले के कर्मचारियों ने मौके पर पहुंचकर बस स्टाप को सड़क से हटाया।

जांच दल ने कारम बांध की रिपोर्ट सौंपी

भोपाल, यशभारत। धार जिले के कारम बांध की गुणवत्ता की जांच के लिए गठित चार सदस्यीय दल ने रविवार को शासन को रिपोर्ट सौंप दी है। दल ने रिपोर्ट में साफ कहा है कि बांध के निर्माण में स्थानीय स्तर पर भारी लापरवाही बरती गई है। अव्वल तो बांध में पानी भरने में जल्दबाजी की गई। वहीं बांध की ऊंचाई ज्यादा है, इसमें अनुभवी इंजीनियरों को लगाया जाना था, जो नहीं किया गया। वैसे दल ने निर्माण कार्यों में गड़बड़ी की ओर इशारा किया है, पर ऐसा भी बताया जा रहा है कि रिपोर्ट में ज्यादा खुलासे नहीं किए गए हैं, जो ठेकेदार और अधिकारियों को क्लीनचिट देने की कोशिश का हिस्सा है। सूत्रों के अनुसार जांच दल ने बांध की पाल (दीवार) में कई खामियां गिनाई हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि बांध की पाल काली मिट्टी से तैयार की गई है लेकिन उसे ऊपर से पत्थर एवं मुरम से ढंका (कवर) नहीं गया। मिट्टी में कंकर भी थे। जिससे पानी भरने पर मिट्टी में कटाव शुरू हो गया और बांध की पाल से पानी रिसने लगा। जांच रिपोर्ट में इसके अलावा भी कई बिंदु शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि करीब सौ करोड़ रुपये (परियोजना लागत 304 करोड़ रुपये) की लागत से धार जिले की कारम नदी पर यह बांध बनाया जा रहा है।

कहा - पानी भरने में की जल्दबाजी

45 एमसीएम (मिलियन क्यूबिक मीटर) क्षमता वाले इस बांध में 15 एमसीएम ही पानी भर पाया था कि 11 अगस्त को पाल से पानी रिसने लगा। किसी अनहोनी की आशंका के चलते राज्य सरकार को बांध से पानी निकालने का निर्णय लेना प?ा। 13 से 14 अगस्त की रात तक पाल के बगल से बायपास चैनल बनाकर पानी निकाला गया। इसके लिए धार और खरगोन जिले के 18 गांव खाली कराने प? थे। बांध से पानी निकाले जाने के बाद 15 अगस्त को सरकार ने जल संसाधन विभाग के अपर सचिव आशीष कुमार की अध्यक्षता में जांच दल गठित किया था। जिसमें मुख्य अभियंता दीपक सातपुते, संचालक बांध सुरक्षा अनिल सिंह सहित एक अन्य अधिकारी शामिल हैं। दल ने मौके का निरीक्षण किया था।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने पुलिस के 25 हजार आवासीय भवनों और थाना परिसर का वर्चुअल लोकार्पण

कांग्रेस शासन में आतंकी संगठन सिमी का गढ़ था मप्र, शिवराज ने जड़ से उखाड़ फेंका : अमित शाह

भोपाल,यशभारत। कांग्रेस के शासन में मालवा अंचल सिमी (प्रतिबंधित संगठन स्टूडेंट्स इस्लामिक मूवमेंट आफ इंडिया) का गढ़ था। देश के कई हिस्सों में यहीं से जाकर घटनाओं को अंजाम दिया जाता था। उन्हें शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने समूल नष्ट कर दिया। यह बात केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कही। वे सोमवार को रवींद्र भवन में 415 करोड़की लागत से निर्मित च्पुलिस के 25 हजार आवास भवनों और थाना परिसरज्ञ का वर्चुअल लोकार्पण कर रहे थे। शाह ने भोपाल के बरखेड़ा बोंदर में 27 एकड़ भूमि में आकार लेने वाली देश की पांचवीं नेशनल फारेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी परिसर के लिए वर्चुअल भूमिपूजन और 10 पुलिस प्रशिक्षण केंद्र, 50 स्मार्ट क्लास और एक लैब का रिमोर्ट दबाकर शुभारंभ भी किया। उन्होंने कहा कि देश की आंतरिक सुरक्षा करते हुए 35 हजार पुलिसकर्मियों ने प्राणों की आहुति दी है, जो सैनिकों से ज्यादा है। उन्होंने डकैत और नक्सली समस्या से सख्ती से निपटने और कृषि-सिंचाई के क्षेत्र में बेहतर काम करने के लिए शिवराज सरकार की तारीफ करते हुए कहा यहां श्रीमान बंटाधार का शासन था। शाह ने कहा कि आजादी के बाद पुलिस को देखने का नजरिया बदला है। फिल्मों ने पुलिस की गलत छवि बना दी है। जबकि पुलिसकर्मी 24 घंटे 365 दिन काम करता है। जब लोग घरों में त्योहार मनाते हैं, तब पुलिसकर्मी सुरक्षा में तैनात रहता है। उन्होंने कहा कि पुलिस को गुनहगार से दो कदम आगे रखने के लिए विज्ञान का सहारा जरूरी है। नेशनल फारेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी में पाठ्यक्रम आज से शुरू हो गए हैं। 50 विद्यार्थियों ने प्रवेश भी ले लिया है। इस क्षेत्र में कैरियर बनाने के लिए प्रदेश के युवाओं को अब बाहर नहीं जाना पड़ेगा और एक साल बाद विदेश से विद्यार्थी पढ़ने आएंगे। उन्होंने कहा कि थर्ड डिग्री का जमाना गया। इस्तेमाल भी नहीं करनी चाहिए। फारेंसिक जांच से अपराधियों को सजा दिलाई जा सकेगी। शाह ने कहा कि मणिपुर, असम में भी संस्थान खोलने का निर्णय लिया है।

यूनिवर्सिटी के लिए जितनी जमीन की जरूरत होगी सरकार देगी : शिवराज

इससे पहले मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि यूनिवर्सिटी के लिए जितनी जमीन की जरूरत होगी सरकार देगी। रतलाम, रीवा में फारेंसिक लैब शुरू करेंगे। उन्होंने कहा कि पुलिस अधिकारियों-कर्मचारियों को बच्चों को उच्च शिक्षा के लिए फीस की पूर्ति सरकार करेगी। वहीं प्रदेश के गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि सर्वोच्च पद पर बैठा व्यक्ति सबसे छोटे व्यक्ति की सुध ले, ये अंत्योदय है। उन्होंने कहा जब लाकडाउन में सब बंद था, तब पुलिस ने मोर्चा संभाल रखा था। उसने पुलिस को लेकर समाज में व्याप्त भ्रम तोड़ा है। उन्होंने कहा कि पुलिस कमिश्नर प्रणाली के अच्छे परिणाम आए हैं। लव जिहाद, घर जलाने, पत्थर फेंकने वालों के लिए कानून बनाया है। जिससे अपराधों में नियंत्रण किया है। नक्सली समस्या को प्रदेश में नहीं बढ़ने दिया। मिश्रा ने इस उपलब्धि के लिए मुख्यमंत्री की भी सराहना की।

अति-वर्षा से रेल यातायात भी प्रभावित, भोपाल मंडल ने तीन रेलखंडो में चौथाई तक घटाई ट्रेनों की गति

भोपाल, यशभारत। तेज वर्षा का असर ट्रेनों की रफ्तार पर भी पड़ा है। भोपाल रेल मंडल को ट्रेनों की गति 130 से घटाकर 30 किलोमीटर प्रति घंटा करनी पड़ी है। यह गति सीमा केवल तीन रेलखंड औबेदुल्लागंज से बरखेड़ा, बरखेड़ा से बुदनी और दीवानगंज से सलामतपुर के बीच की है। इसकी वजह से ट्रेनों की गति प्रभावित हुई है। बाकी रेलखंडों में ट्रेनें अपनी तय गति से ही दौड़ रही है। वहीं दूसरे मंडलों से आने वाली ट्रेनें भी वर्षा की वजह से भोपाल व रानी कमलापति रेलवे स्टेशन पर देरी से पहुंच रही हैं। यात्रियों को घंटों इंतजार करना पड़रहा है। रेलवे के एक अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा को देखते हुए मंडल में ट्रेनों की गति सीमा कम की है, जैसे ही वर्षा बंद हो जाएगी तो ट्रेनें उक्त तीनों रेलखंडों में अपनी निर्धारित गति से चलने लगेंगी।

बता दें कि सोमवार को दिल्ली, उत्तर प्रदेश और मुंबई की ओर से आने वाली वाली ट्रेनें घंटों देरी से स्टेशनों पर पहुंची हैं। इनमें कुछ ट्रेनें 30 मिनट की देरी से आई तो अमरकंटक एक्सप्रेस 8 घंटे की देरी से भोपाल पहुंची है। यह ट्रेन दुर्ग से चली थी, जिसे सुबह करीब 10.30 बजे भोपाल पहुंचना था लेकिन यह आठ घंटे की देरी से पहुंची। इस ट्रेन को दुर्ग के लिए चार बजे रवाना करना था लेकिन 3ः30 घंटे की देरी से शाम 7ः30 बजे चलाया गया है।

बारिश के कहर से प्रभावित क्षेत्रों में पहुँचे नगरपालिका अध्यक्ष उपाध्यक्ष पार्षद

गाडरवारा(यश भारत)। विगत दिवस वारिश का कहर जमकर बरसा इस बीच शहर में अनेक स्थानों पर परेशानियों का सबब बना जिसके चलते तेज वारिश में भी नगरपालिका अध्यक्ष शिवाकांत मिश्रा उपाध्यक्ष प्र रीतेश राय पार्षदो के साथ शहर के अनेक वार्डो सुभाष वार्ड माता वार्ड पटैल वार्ड शिवाजी वार्ड गांधी वार्ड इंद्रा वार्ड नरसिंह वार्ड विवेकानंद वार्ड आजाद वार्ड महारानी लक्ष्मीबाई वार्ड भगत सिंह वार्ड राजीव वार्ड के अनेक इलाको का अलसुबह से निरन्तर भ्रमण कर रात्रि में गिरे हुए व्रक्ष व श्याम टॉकीज के पास नीचे से टूटकर गिरते हुए विधुत पोल और क्षतिग्रस्त आवासो

(नवीन परिषद की सामूहिक सक्रियता काबिले तारीफ)

का व कॉलोनियों में जलभराव की स्थिति जायजा लेने शहर के अनेक इलाको में पहुचे साथ ही नपा कर्मियों का दल और जिम्मेदार अधिकारियों की मौजूदगी के साथ तुरन्त समस्याओं के निराकरण करने के निर्देश देने के साथ अनेक स्थानों पर तुरन्त निराकरण की दृष्टि से स्पॉट पर राहत कार्य तुरन्त ही शुरू कराए और नपा अध्यक्ष ने कहा हम जनता की सेवा में हर समय सुख दु:ख में तत्परता से कार्य करने हेतु संकल्पित है हमारा विजन स्पस्ट है क्षेत्र में सार्थक विकास करना व गुणवत्ता युक्त कार्य करना पार्षद आनन्द दुबे पार्षद चन्द्रकांत शर्मा पार्षद शुभम राजपूत पार्षद चंचल कोरी पार्षद प्र कमलेश विश्वकर्मा पार्षद प्र सौरभ पटैल पार्षद श्रीकांत राय पार्षद प्र सतीश पटैल पार्षद प्र मंगल जाटव व रोहित जी ढिमोले भारतीय जनता पार्टी के महामंत्री शैलेष पटैल उपाध्यक्ष सोनू पटैल मनीष बाल्मीक अंकित राजपूत रंजीत कुर्मी सहित अनेक नागरिको की उपस्थिति रही।

श्रीकृष्ण ,राधाभाव में मंच पर दीं प्रस्तुतियां, बटोरी तालियां

जबलपुर, यशभारत। विगत दिवस अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन द्वारा फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन अग्रवाल बारात घर बल्देव बाग में किया गया. जिसकी थीम जन्माष्टमी थी। इस आयोजन के मुख्य अतिथि अखिल भारतीय गहोई वैश्य महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के के कठिल थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष मदन मोहन नेमा ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में अरुण गुप्ता नीखरा तथा राजेश गुप्ता कटंगा उपस्थित रहे। नन्हे -मुन्ने बच्चों द्वारा कृष्ण एवं राधा का स्वरूप रखकर बाल लीलाओं के साथ फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में भाग लिया। मुख्य अतिथि श्री कठिल ने लोगों को व्यसन मुक्त, सक्रिय, जुझारू जीवन जीने की तथा वैश्य समाज को परस्पर संगठित रहने की अपील की। राजेश गुप्ता कटंगा ने जन्माष्टमी की शुभकामनाएं प्रेषित की. इस आयोजन में श्रीमती गोमती गुप्ता अध्यक्ष महिला का इकाई तथा समर्थ अग्रवाल युवा अध्यक्ष की विशेष भूमिका रही. इस अवसर पर मोहनलाल खैरा, अरुण खर्द, प्रवीण अग्रहरि, अमित गुप्ता सुरेश विश्नोई सीए मनोज खैरा, केके खंडेलवाल, नीलम अग्रवाल सरिता साहू, प्रीति गुप्ता, पुष्पा नीखरा, प्रगति खैरा, रश्मि अग्रवाल सोनल गुप्ता, शैलजा गुप्ता आदि की उपस्थिति रही संचालन अपूर्वा गुप्ता तथा आभार प्रदर्शन अरविंद गुप्ता गेड़ा ने किया।

संस्कृति एवं संस्कारों की धरोहर से जुड़े रहें: अरुण नीखरा

नटवर नागर श्री कृष्ण का जन्मोत्सव मनाया गया

गोटेगांव, यशभारत। नगर के मध्य दानागंज स्थित शिशु बाल मंदिर में जन्माष्टमी पर भगवान श्री कृष्ण का जन्मोत्सव बडे ही हर्ष एवम उल्लास के वातावरण में मनाया गया।इस जन्मोत्सव पर्व को मनाने में शिशु बाल मंदिर के बच्चों में जबरदस्त उत्साह देखा गया।यह जन्माष्टमी पर्व को मनाने में शिशु मंदिर के प्रधानाचार्य कमलेश नामदेव का मार्गदर्शन उल्लेखनीय रहा।आपको बता दें कि यह शिशु बाल मंदिर छोटे छोटे बच्चों में बेहतर संस्कार डालने एवं सामाजिक और धार्मिक आयोजनों को सम्पन्न कराने में अपनी अहम भूमिका भी विगत कई वर्षों से निभा रहा है जहां पर सभी वर्गों के बच्चों को संस्कार देने के साथ शिक्षित भी किया जा रहा है।माँ सरस्वती के इस विद्या मंदिर में अनुशासन का पाठ भी पढाया जाता है।इसी शिशु बाल मंदिर में नन्हे मुन्ने बच्चों ने जन्माष्टमी का पर्व स्कूल के प्रधान पाठक कमलेश नामदेव के मार्गदर्शन में मनाया गया।

बलसाड-पुरी-एक्सप्रेस की सेवा बहाल रहेगी

जबलपुर यश भारत। रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए बलसाड-पुरी-बलसाड एक्सप्रेस की सेवा बहाल रखने का निर्णय लिया गया है।अतः गाड़ी संख्या 22909 बलसाड-पुरी एक्सप्रेस दिनांक 25.08.2022 को तथा गाड़ी संख्या 22910 पुरी-बलसाड एक्सप्रेस दिनांक 28.08.2022 को अपने प्रारंभिक स्टेशन से गन्तव्य के लिए चलाई जाएगी। ज्ञात हो कि दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मण्डल के रायगढ़-झारसुगुड़ा रेल खण्ड पर चौथी रेल लाइन जोड़ने के लिए हिमगिर स्टेशन पर किये जा रहे प्री

नॉन/नॉन इंटरलॉकिंग का कार्य के चलते इस मार्ग से होकर गुजरने वाली गाडियों में गाडी संख्या 22909 बलसाड-पुरी एक्सप्रेस दिनांक 25.08.2022 को तथा गाडी संख्या 22910 पुरी-बलसाढ एक्सप्रेस दिनांक 28.08.2022 को अपने प्रारंभिक स्टेशन से निरस्त की गई थी, जिसे बहाल करते हुए गाडी का परिचालन जारी रखने का निर्णय लिया गया है। रेल प्रशासन यात्रियों से अनुरोध किया है कि रेलवे द्वारा अधिकृत रेलवे पूछताछ सेवा एनटीईएस/139 से गाडी की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

महाकौशल क्रीड़ा परिषद ने किया महापौर का सम्मान

भगवान, संदीप वर्मा एवं अनेक खिलाड़ियों द्वारा महापौर जी का स्वागत किया गया।

जबबलपुर, यशभारत। विगत दिवस जिला वॉलीबॉल संघ के तत्वाधान में सदर स्थित जे के सेलिब्रेशन में महाकौशल क्रीड़ा परिषद के द्वारा नवनिर्वाचित महापौर जगत बहादुर सिँह अन्नू का स्वागत किया गयामहाकौशल क्रीड़ा परिषद के उपाध्यक्ष विक्रम अवार्ड प्राप्त बॉक्सर वीरेंद्र सिंह ठाकुर ने बताया की इस अवसर पर महाकौशल क्रीड़ा परिषद के साईं प्रशासक कुलदीप बरार, महाकौशल क्रीड़ा परिषद के संस्थापक डॉ प्रशांत मिश्र, सुश्री नीलम चंसोरिया, वीरेंद्र सिँह, योगेंद्र तिवारी, रवि पटेल, दीना ठाकुर, संजय बिल्लोरे, खूबचंद जी, डिम्पल खत्री, राजेश सोनी,

कटंगी में स्वास्थ्य शिविर आयोजित अनेक लोगों ने लिया लाभ

कटंगी /जबलपुर, **यशभारत।** सामुदायिक भवन मैं स्वर्गीय गुलाब बाई एवं स्वर्गीय शपरसराम साहू की पुण्यतिथि में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन कमलेश साहू द्वारा किया गया, जिसमें बडी संख्या में नगर के लोगो ने स्वास्थ्य लाभ लिया इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से मंडल अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह अभिताप साहू, नगर परिषद अध्यक्ष, मालिक यादव, शंकर यादव, अयाज खान, शिवकुमार साहू, दिनेश चौरसिया अशोक सेन, ललित सोनी,गजेन्द्र विश् कर्मा गुड्डू राजपूत काटी तेजभान सिंह सहित कटंगी नगर के सभी सामाजिक बंधु उपस्थित रहे।

काजीवर साड़ी पर सिल्वर और गोल्ड जरी वर्क देख कर मंत्र मुग्ध हुई जबलपुर की महिलाओ मन लुभाया

जबलपुर, यशभारत। फाइबर टू सिल्क फैब गोल बाजार में उमंग शॉपिंग महोत्सव की काजीवार साडी पर गोल्ड और जरी वर्क की खूबसूरती देख कर जबलपुर की महिला मन्त्र मुग्ध हो गई। बताया जाता है सिल्क फैब में तमिलनाडु के काजीवर शहर के असलम ने एक साडी को बनने में 3 महीने में जरी वर्क की साडी मेहनत से तैयार की जिसकी अनुमानित लागत 150000 रूपये थी जिसको देख चर्चा का विषय बन गया । धीरे धीरे कला विलुप्त होती जा रही है, देश मे कला के माध्यम से हजारों लोगो की रोजी रोटी चलती है, हमें हुनर बाजो को दुबारा स्थापित करना चाहिए उन्होंने आयोजित प्रदर्शन की तारीफ की जबलपुर की महिलायें साडी पर कोलकाता की क्लाकृति देख मन्त्र मुग्ध हुई। उमंग आर्ट क्राफ्ट सिल्क एक्सपो का आयोजन कर रहा है। सचिव आशीष गुप्ता ने इस प्रदर्शनी में भाग लेने वाले पूरे भारत से रेशम साड़ियों, पोशाक सामग्री की भिन्न गुणवत्ता की व्याख्या की। उन्होंने असम-मूंगा सिल्क, दिल्ली-प्रिंटेड सिल्क साड़ी, गुजरात-कांथा, पटोला, पश्चिम बंगाल-बलूचरी, राजस्थान-बंधेज, झारखंड-कोसा सिल्क, कर्नाटक-चिंता मणि, कसौटी वर्क और अन्य जैसे विभिन्न राज्यों के रेशम उत्पादों की गुणवत्ता के बारे में जानकारी दी। उमंग मेले ने पारंपरिक भारतीय पोशाक के लिए अपना प्यार प्रदर्शित किया है। यह इस तथ्य से स्पष्ट है कि शहर के दुकानदार बड़ी संख्या एक प्रदर्शनी-सह-बिक्री में शामिल हो रहे हैं, जहां रेशम के कपड़े से बनी साडियों और ड्रेस सामग्री की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदर्शित की जाती है। मेला सुबह 11 बजे से रात 09 बजे तक गोल बाजार जबलपुर में 5सितंबर तक रहेगा।

भारतीय किसान संघ भारतीय किसान संघ जिला नरसिंहपुर का तीन दिवसीय अभ्यास वर्ग

गोटेगांव, यशभारत। गोटेगांव आदिवासी बालिका छात्रावास में संपन्न हुआ अभ्यास वर्ग में किसानों को उपसंचालक कृषि राजेश त्रिपाठी उपसंचालक उद्यानिकी सुनील राय जिला मिट्टी परीक्षण अधिकारी श्री डॉक्टर आर एन पटेल द्वारा जैविक खेती प्रक्रिया उद्योग मृदा परीक्षण एवं एपीओ की जानकारी किसानों को दी गई जिला अध्यक्ष संतोष राय एवं जिला मंत्री चौधरी अभिषेक पटेल द्वारा किसान संघ की रीति नीति ग्राम समितियों के कार्यों पर चर्चा की। आंदोलन संबंधी जानकारी श्री अनिरुद्ध पटेल

संभागीय अध्यक्ष द्वारा दी गई अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख द्वारा प्रिंट मीडिया इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पत्र-पत्रिकाओं यूट्यूब चैनल ट्विटर संबंधी प्रशिक्षण किसानों को दिया गया प्रशिक्षण वर्ग में प्रमुख रूप से सभी तहसीलों की कार्यकारिणी के कार्यकर्ता उपस्थित रहे अभ्यास वर्ग के समापन के अवसर पर नरसिंहपुर विधायक श्री जालम सिंह पटेल को किसानों ने गन्ना मिलों द्वारा भुगतान संबंधी समस्याएं अपूर्ण गिरदावरी एवं अन्य समस्याओं को अवगत कराया। स्वाबलंबी भारत अभियान के तहत समापन सत्र में युवा उद्यमी किसान सीताराम पटेल यशवंत पटेल विक्रम राजपूत सचिन ताम्रकार अनिरूद्ध पटेल अनिल पटेल सुरेश पटेल का भगवान बलराम जी का चित्र भेटकर सम्मान किया गया जिसमें क्षेत्र के वरिष्ठ समाजसेवी मोहन सिंह पटेल शिवहरि पचौरी बाबूलाल पटेल एवं कृषक बंधु उपस्थित रहे। जिला अभ्यास वर्ग में वरिष्ठ कार्यकर्ता महेंद्र गोस्वामी जी जिला अध्यक्ष संतोष राय जिला मंत्री अभिषेक पटेल स्वदेश कोठारी अनिरुद्ध पटेल जी सरदार सिंह पटेल विष्णु पटेल राजेंद्र पटेल भाव सिंह पटेल मुन्ना लाल पटेल विजय मालपानी जी तेजसिंह तोमर राजेंद्र शर्मा सुरेंद्र सिंह राजपूत सरदार पटेल कल्याण पटेल मालक पटेल मिथलेश पटेल प्रवीण पटेल तुलाराम पटेल सुरेश पटेल हरवंश राजेश पटेल आदि सैकड़ों कार्यकर्ता बंधु उपस्थित रहे।

प्राचार्य विहीन हुआ नगर का महाविद्यालय

गोटेगांव, यशभारत। गोटेगांव तहसील में कार्यरत उच्च शिक्षा का मंदिर कहलाने वाले एकमात्र शासकीय ठाकुर निरंजन सिंह महाविद्यालय में स्थाई प्राचार्य के ना होने से छात्रों एवं महाविद्यालय में कार्यरत कर्मचारियों को भारी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है यहां पर स्मरण हो कि तत्कालीन प्राचार्य डॉ एके जैन का स्थानांतरण होने के कारण वक्त पद आज तक शासन की उदासीनता के चलते नहीं भरा जा सका है जिसके चलते महाविद्यालय के कार्य समय पर पूरे नहीं हो पा रहे हैं यहां पर पदस्थ कार्यवाहक प्राचार्य इस महाविद्यालय में कभी कभार ही आते हैं और समय के पहले अपनी ड्यूटी को छोड़कर ट्रेन से वापस होकर अपने घर को प्रस्थान करते हैं पूरे समय ड्यूटी ना मिलना इस महाविद्यालय का दुर्भाग्य बना है साथ ही स्थाई प्राचार्य के ना होने से समूचे नगर एवं छात्रों में चर्चा का विषय बना हुआ है आखिर शासन इस महाविद्यालय की ओर अपनी नजरें इनायत कब करेगी वैसे भी महाविद्यालय की स्थापना 1968 में की गई थी तब से यदि देखा जाए तो इस महाविद्यालय की कार्यवाहक प्राचार्य या प्रभारी प्राचार्य की ही परंपरा रही है जिससे छात्रों के एवं शासकीय कार्य समय पर पूरे नहीं होकर बाधित होते हैं आखिर इस महाविद्यालय की इस प्रभारी प्राचार्य की एवं कार्यवाहक प्राचार्य की परंपरा पर स्थाई रूप से कब विराम लगेगा नगर में ऐसा नहीं है कि नेता लोग नहीं है फुल फ्रेश नेता मंत्री और विधायक होने के बाद भी जय महाविद्यालय स्थाई प्राचार्य की नियुक्ति का उपेक्षा का दंश झेल रहा है नगर के नागरिकों ने हमारे प्रतिनिधि को बताया किस शासन की मंशा क्या है यह समझ से परे है आखिर इस महाविद्यालय में स्थाई प्राचार्य की नियुक्ति में विलंब क्यों होता है यह प्रश्न छात्रों के हृदय में भी उत्सुकता से बना हुआ है ऐसे में जबकि महाविद्यालय में स्थाई प्राचार्य नहीं है तो ऐसे में छात्रों को उच्च शिक्षा की पढ़ाई करवाना बेमानी साबित हो रही है बिना राजा की फौज का यह मंदिर शासन की खींचतान में उलझा हुआ है यहां पर प्रवेश लेने वाले छात्रों ने बताया कि हमारा कार्य स्थाई प्राचार्य नियुक्त ना होने से साथ ही शासन की लापरवाही के चलते सही समय पर संपन्न नहीं हो पा रहा है स्थाई प्राचार्य की नियुक्ति न होने से व्याख्याता लोग भी बच्चों को शिक्षा देकर अपने समय के पहले ही गंतव्य की ओर रवाना हो जाते हैं यह विषय नगर में चर्चा का विषय बनता जा रहा है शासन मैं देखें जवाबदार नेताओं एवं अधिकारियों से छात्रों ने इस कॉलेज में स्थाई प्राचार्य की नियुक्ति की मांग की है अब देखना होगा कि शिक्षा का नया सत्र आरंभ हो चुका है शासन इस महाविद्यालय में स्थाई प्राचार्य की नियुक्ति कब करेगा।ज्ञातव्य हो की समूचे नरसिंहपुर जिला के सभी महाविद्यालयों में प्राचार्यो की नियुक्ति ना होना जनप्रतिनिधियों की उदासीनता का घोतक है ।

नगर को मिली मेट्रो की सौगात

पाटन, यशभारत। लंबे समय से क्षेत्र के लोगो द्वारा पाटन से जबलपुर के लिए मेट्रो बस की मांग अब जा कर पूरी हुई है पाटन के कमानिया गेट से नगर परिषद अध्यक्ष आचार्य जगेन्द्र सिंह द्वारा मेट्रो को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया गया अभी मेट्रो बस पाटन से जबलपुर रेलवे स्टेशन के दिन में तीन फेरे लगा रही है प्रतिदिन आने जाने बाले लोगो को मेट्रो का संचालन प्रारंभ होने से फायदा होगा इस मौके पर देव कुमार यादव आदित्य नामदेव दीपक जैन राकेश चौधरी देवेंद्र यादव प्रशांत जैन विनय अग्रवाल पंकज विश्वकर्मा दीपू यादव विनीत सिंघई अरविंद नामदेव प्रियदर्शी जैन उपस्थित रहे।

मकड़जाल की तरह फैले बिजली के तार दे रहे दुर्घटनाओं को आमंत्रण

विद्युत विभाग की लापरवाही बनी रहती है ग्रामीणों को वोल्टेज की समस्याएं

गोटेगांव, यशभारत। नरसिंहपुर जिले के गोटेगांव के जनपद के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत गोटेगांव खेड़ा में लंबे समय से वोल्टेज को लेकर समस्या बनी हुई है वहीं विद्युत विभाग की लापरवाही भी सामने आई है कि डीपी से मकड़जाल की तरह ग्रामीणों द्वारा 200 से ×00 मीटर तक की दूरी की बिजली की तार खींचकर रोड़ एवं खेतों से झूलते तार लगातार हो रही बारिश में दुर्घटनाओं को आमंत्रण दे रहे हैं जिसकी शिकायत विभाग में लोगों द्वारा की गई है कि विद्युत विभाग जल्द से जल्द बिजली के खंभे लगाए जाएं और जो डीपी से मकड़जाल की तरह फैले तारों को व्यवस्थित किया जाए ऐसी ग्राम वासियों ने शासन से मांग की है।

स्टेशन में गंदगी फैलाना पड़ा महंगा

1839 पर कार्रवाई 2 लाख 36 हजार जुर्माना वसूला

जबलपुर , यशभारत। पश्चिम मध्य रेलवे जबलपुर, भोपाल एवं कोटा तीनों मण्डलों के सभी स्टेशनों पर यात्रियों को स्टेशन परिसर एवं गाड़ियों में स्वच्छ, सुखद एवं पर्यावरण अनुकूल वातावरण मुहैया कराने के प्रति लगातार प्रयासरत है। महाप्रबंधक सुधीर कुमार गुप्ता के निर्देश पर तथा प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक मुकुल सरन माथुर के नेतृत्व में रेलवे स्टेशनों एवं रेलगाड़ियों में नियमित साफ सफाई सुनिश्चित की जाती है, साथ ही नियमित उद्घोषणा के माध्यम से यात्रियों को भी जागरुक किया जाता है। इसके अंतर्गत यात्रियों से स्टेशन परिसर को साफ सुथरा रखने, धूम्रपान नहीं करने तथा यहां वहां गंदगी नहीं करने अनुरोध किया जाता है। बार-बार समझाइश के बावजूद कुछ लोग लापरवाही बरतते हैं, ऐसे लोगों के खिलाफ रेल प्रशासन द्वारा समय-समय पर रेलवे अधिनियम के अंतर्गत जुर्माने की कार्यवाही की जाती है। मुख्यालय द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि माह जुलाई 2022 में पमरे के तीनों मण्डलों में कुल 573 व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई की गई तथा उनसे 76 हजार 210 रुपये बतौर जुर्माना वसूला गया। इस वित्तीय वर्ष में अप्रैल से जुलाई 2022 तक गन्दगी फैलाने वालों के विरुद्ध चलाये गए अभियान में कुल 1839 व्यक्तियों के मामले पकडे गए, जिनसे कुल 02 लाख 36 हजार 360 रूपये जुर्माना वसूला गया। इसके अलावा जुर्माने के साथ साथ ऐसे लोगों को समझाईश भी दी जाती है। साथ ही गंदगी से होने वाले नुकसान की जानकारी देते हुए स्टेशन परिसर स्वच्छ रखने के लिए अनुरोध भी किया जाता है। रेल प्रशासन यात्रियों से अनुरोध किया है कि रेलवे आपकी अपनी संपत्ति है, रेल परिसर में कृपया गंदगी न फैलाएं। स्टेशन का वातावरण स्वच्छ, सुंदर रखने में रेल प्रशासन द्वारा किये जा रहे प्रयासों में सहभागी बनें। गंदगी करने वालों के विरुद्ध आगे भी ऐसे अभियान निरंतर जारी रहेंगे।

शिकागो में भारत का स्वतंत्रता दिवस और ध्वजारोहण संस्कारधानी को गौरवान्वित

एजेंसी।वह पल अद्भुत, गरिमामय, अविस्मरणीय थे, जब हमने गर्व से सिर ऊँचा कर, विदेशी भूमि में, अपने राष्ट्र ध्वज का ध्वजारोहण, ससम्मान, वन्दे मातरम और भारत माता की जय, की गूँज के साथ शिकागो में, आजादी के अमृत महोत्सव में, प्रतिभागी बनकर हृदय से महसूस किए :– संस्थापक छायांके ट्रस्ट और सह संस्थापक आर्यरा फाउंडेशन जबलपुर श्रीमती निधि मिश्रा!

मातृभूमि के चरणों में, नमन करते हुए, छायांके ट्रस्ट और आर्यरा फाउंडेशन (गैलेक्सी सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल जबलपुर), के डिवाइन नृत्य के, प्रतिभागी निष्का, कृषा और ईतश मिश्रा ने 75 वर्षों की, भारत देश की मंगल गाथा, प्रगति, उन्नति और समृद्धि का वर्णन, कत्थक नृत्य कृष्ण तराना के द्वारा, डेल प्लाज़ा, शिकागो डाउनटाउन मे द एसोसिएशन ऑफ इंडियन्स इन अमेरिका(ए आइ ए 1967) के तत्वाधान में आयोजित कार्यक्रम में किया। श्रीमती निधि मिश्रा, के मार्गदर्शन मे, प्रगतिशील और राष्ट्रवादी सोच ने, आज़ादी का अमृत महोत्सव/ हर

घर तिरंगा/ वन्दे मातरम् की 3 मूल अवधारणा पर, मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया।

उत्कृष्ट लोगों की छवि का प्रदर्शन, नृत्य में

जहाँ एक तरफ कोरोना काल में, आर्यरा फाउंडेशन के, और देश सभी चिकित्सकों ने, जीवन देने का हौसला रखा और चिकित्सकों ने प्राणों की परवाह न करते हुए, कर्तव्यों का पालन किया। वही दूसरी ओर देश के, सी ई ओ और इंजीनियर ने देश के नाम को, पूरे संसार में रौशन किया! महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने, देश की महिलाओं के संघर्ष, शिक्षा और सशक्तिकरण का प्रबल स्वरूप दिया है। इन उत्कृष्ट लोगों की छवि का प्रदर्शन, नृत्य मे किया गया। जिसे जनता की तालियों की गड़गड़ाहट ने जोश और उत्साह से भर दिया। राष्ट्र के नाम को, नयी उँचाईयाँ देने वाले चेहरों का सटीक प्रदर्शन करने की कोशिश की, बहुत सराहना हुई।

आर्यरा फाउंडेशन गैलेक्सी सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल जबलपुर, के संस्थापक डॉक्टर अखिलेश दुबे (हृदय रोग विशेषज्ञ), डॉक्टर हरिशंकर चंदेल (हृदय रोग विशेषज्ञ), डॉक्टर अमितेश चतुर्वेदी (हड्डी रोग विशेषज्ञ), ने सभी को स्वतंत्रता दिवस की अनेक शुभकामनाएं देते हुए कहा की, स्वतंत्रता की 75 साल पूरे होने पर, चिकित्सक मानव सेवा के लिए दृण संकल्पित है। सभी से निवेदन करते है की, 76 वें साल में प्रवेश कर, हम सब भारत देश के, उज्वल भविष्य की कामना करते हुए वन्दे मातरम के पथिक बन हर घर तिरंगा लहरा कर गौरवान्वित और उत्साहित हो कर, देशभक्ति का संचालन कर, देश के सकारात्मक बिंदुओं पर गर्व करें।

जिम्बाब्वे को हराकर भारत ने की पाकिस्तान के वर्ल्ड रिकॉर्ड की बराबरी

हरारे। भारत ने जिम्बाब्वे को तीसरे और अंतिम वनडे में 13 रन से हराकर तीन मैच की वनडे सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप हासिल कर ली। इस रोमांचक जीत के बाद टीम इंडिया ने पाकिस्तान के वर्ल्ड रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। दरअसल, यह रिकॉर्ड जिम्बाब्वे के खिलाफ सबसे ज्यादा वनडे मुकाबले जीतने का है। भारत ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 50 ओवर फॉर्मेट में सबसे ज्यादा जीत दर्ज करने के मामले में अब पाकिस्तान के वर्ल्ड रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। बता दें, हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेले गए तीसरे वनडे मैच में भारत ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग करते हुए शुभमन गिल (130) के पहले शतक की बदौलत 8 विकेट पर 289 रन का स्कोर बनाया और फिर सिकंदर रजा (115) के शतक के बावजूद जिम्बाब्वे को तीन गेंद बाकी रहते 276 रन पर समेट दिया। यह भारत की जिम्बाब्वे के खिलाफ वनडे क्रिकेट में 54वीं जीत है। जिम्बाब्वे को अब भारत और पाकिस्तान ने सबसे ज्यादा बार धोया है। पाकिस्तान ने भी जिम्बाब्वे को 54 बार इस फॉर्मेट में मात दी है। बता दें, इस सूची में तीसरे पायदान पर बांग्लादेश 51 जीत के साथ मौजूद है। भारत के 290 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए जिम्बाब्वे की टीम आवेश खान (तीन विकेट), अक्षर पटेल (दो विकेट), कुलदीप यादव (दो विकेट) और दीपक चाहर (दो विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने 49.3 ओवर में 276 रन पर सिमट गई। सिकंदर रजा (95 गेंद में 115 रन, 9 चौके, 3 छक्के) और ब्रेड इवान्स (28) ने आठवें विकेट के लिए 104 रन जोड़कर उलटफेर की उम्मीद जगाई लेकिन टीम ने अंतिम तीन विकेट सिर्फ तीन रन पर गंवा दिए। सीन विलियम्स (45 रन) ने भी उपयोगी पारी खेली। जिम्बाब्वे के खिलाफ एकदिवसीय क्रिकेट में यह भारत की लगातार 15वीं जीत है। भारत ने यहीं तीन जून 2010 को सात विकेट की हार के बाद से जिम्बाब्वे के खिलाफ कोई एकदिवसीय मैच नहीं गंवाया है। गिल ने 97 गेंद में 15 चौकों और एक छक्के की मदद से 130 रन की पारी खेलने के अलावा इशान किशन (61 गेंद में 50 रन, 6 चौके) के साथ तीसरे विकेट के लिए 140 रन की साझेदारी की जिससे भारत ने 8 विकेट पर 289 रन का स्कोर खड़ा किया।

शुभमन गिल ने जड़ा करियर का पहला अंतर्राष्ट्रीय शतक

शुभमन गिल ने 97 गेंद में 15 चौकों और एक छक्के की मदद से 130 रन की पारी खेली। उन्होंने इशान किशन (61 गेंद में 50 रन, छह चौके) के साथ तीसरे विकेट के लिए 140 रन की साझेदारी की। भारत ने श्रृंखला में टॉस जीतकर पहली बार बल्लेबाजी करने का फैसला किया। मेहमान टीम हालांकि शुरुआत में लय में नहीं दिखी और 15 ओवर में एक विकेट पर 63 रन ही बना सकी। दोनों अनुभवी सलामी बल्लेबाज कप्तान लोकेश राहुल (46 गेंद में 30 रन) और शिखर धवन (68 गेंद में 40 रन) निराश होंगे कि अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में नहीं बदल सके। चोट के कारण लंबे ब्रेक के बाद वापसी कर रहे राहुल को एशिया कप टी20 से पहले लय हासिल करने का शानदार मौका मिला। वह हालांकि तेज गेंदबाज ब्रेड इवान्स की गेंद को विकेटों पर खेल गए। इवान्स ने 54 रन देकर पांच विकेट चटकाए। बल्लेबाजों के लिए पहले घंटे में बल्लेबाजी आसान नहीं थी। धवन और राहुल की सलामी जोड़ी भी बड़ी पारी खेलने में नाकाम रही। गिल और किशन के बीच की साझेदारी को छोड़ दिया जाए तो बाकी ओवर में भारतीय बल्लेबाज उम्मीद के मुताबिक नहीं खेल पाए। वेस्टइंडीज के खिलाफ श्रृंखला के साथ एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करने वाले गिल शानदार लय में दिखे और उन्होंने अपनी पारी में 15 चौके और एक छक्का जड़ा। बाइस साल के इस खिलाड़ी ने मैदान में चारों ओर शॉट लगाए। उनके स्ट्रेट ड्राइव और कवर ड्राइव शानदार थे। गिल हालांकि 90 रन बनाने के बाद थोड़े नर्वस दिखे लेकिन अंतत- शतक पूरा करने में सफल रहे। इवान्स ने गिल के खिलाफ पगबाधा की विश्वसनीय अपील की जिससे मैदानी अंपायर ने ठुकरा दिया। डीआरएस लेने पर रीप्ले में दिखा कि गेंद गिल के बल्ले से टकराने के बाद पैड से लगी। इसी गेंद पर किशन रन आउट हो गए जिन्होंने एक रन लेने की कोशिश की लेकिन गिल का ध्यान अपील पर था और वह रन के लिए नहीं भागे।

कोच राहुल द्रविड़ कोरोना पॉजिटिव, आइसोलेशन में गए

नई दिल्ली,एजेंसी। एशिया कप से पहले टीम इंडिया के कोच राहुल द्रविड़ कोरोना पॉजिटिव हो गए हैं। जिसके बाद उन्होंने खुद को आइसोलेशन कर लिया है। एशिया कप इसी महीने के 27 अगस्त से शुरू होने जा रहा है। वहीं भारत का पहला मुकाबला 28 अगस्त को पाकिस्तान से होना है।

प्रज्ञानानंद ने कार्लसन को दी मात

मियामी, (एजेंसी) भारत के युवा ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंद ने शानदार प्रदर्शन करते हुए यहां एफटीएक्स क्रिप्टो कप के अंतिम दौर में विश्व के नंबर एक खिलाड़ी मैगनस कार्लसन को 4-2 से हराया। प्रज्ञानानंद ने कार्लसन से लगातार तीन बाजियां जीतीं, जिनमें टाईब्रेक की दो बाजियां भी शामिल हैं। कार्लसन पर जीत के बावजूद भारत का यह 17 वर्षीय खिलाड़ी अंतिम तालिका में दूसरे स्थान पर रहा। नार्वे के कार्लसन ने सर्वाधिक अंक हासिल करके खिताब अपने नाम किया। उन्होंने कुल 16 अंक हासिल किए, जबकि प्रज्ञानानंद ने 15 अंकों के साथ अपने अभियान का अंत किया। प्रज्ञानानंद ने मैच के बाद कहा, मैं पिछले कुछ दिनों में और बेहतर प्रदर्शन कर सकता था, लेकिन कुल मिलाकर दूसरा स्थान अच्छा है। एक अन्य किशोर खिलाड़ी अलीरेजा फिरोजा के भी 15 अंक रहे, लेकिन उन्हें तीसरा स्थान मिला, क्योंकि टूर्नामेंट में पूर्व में प्रज्ञानानंद ने उनको हराया था। कार्लसन और प्रज्ञानानंद के बीच पहली दो बाजियां ड्रॉ रहीं। नार्वे के खिलाड़ी ने तीसरी बाजी जीती, लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने हार नहीं मानी और चौथी बाजी जीतकर मुकाबले को टाईब्रेकर तक खींच दिया। इसके बाद भारतीय खिलाड़ी ने टाईब्रेकर में दोनों बाजियां जीतकर कार्लसन को हैरानी में डाल दिया। प्रज्ञानानंद इस साल बेहतरीन फॉर्म में हैं और इससे पहले ऑनलाइन प्रतियोगिताओं में विश्व चैंपियन कार्लसन को दो बार हरा चुके हैं।

सोनम कपूर ने बोल्ड प्रेग्नेंसी शूट पर ट्रोल होने पर अब दिया जवाब

मैं बहुत प्रिविलेज्ड फैमिली से हूं, मुझे...

मुंबई, एजेंसी। सोनम कपूर ने हाल ही में बेटे को जन्म दिया है। हाल ही में कॉफी विद करण में सोनम अपनी प्रेग्नेंसी जर्नी पर बात कर चुकी हैं। उन्होंने बताया था कि शुरुआती 3 महीने उनके लिए मुश्किल रहे, बाद में उन्होंने एंजॉय किया। सोनम ने जब अपनी प्रेग्नेंसी का अनाउंसमेंट किया था तो लोगों ने उनका बोल्ड फोटोशूट चर्चा में रहा था। इस पर उन्हें ट्रोल भी किया गया था। अब एक इंटरव्यू में सोनम ने इस पर बात की है। उनका कहना है कि वह बहुत प्रिविलेज्ड फैमिली से हैं और उनको इन सबसे फर्क नहीं पड़ता। सोनम कपूर और आनंद आहूजा पहले बच्चे के पेरेंट्स बने हैं। सोनम को अक्सर सोशल मीडिया ट्रोलिंग का शिकार होना पड़ता है। प्रेग्नेंसी शूट को लेकर भी उनके साथ ऐसा हुआ था। अब ङ्कश्वद्दह्वद्द मैगजीन को दिए हुए इंटरव्यू में वह इस मामले पर बोली हैं। सोनम ने कहा, मुझे लगता है कि मुझे जिन चीजों पर रिऐक्ट नहीं करना, उन पर रिऐक्ट करने से ऊपर उठ चुकी हूं। शुक्र है, मुझे लगता है कि मुझमें यह उम्र के साथ आया है। मैं बहुत प्रिविलेज्ड जगह से हूं और मुझे किसी चीज से शिकायत नहीं है। इसलिए कोई अगर कीबोर्ड के पीछे से मुझसे कुछ कह रहा है तो मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता।

करती रही हूं ऐसे मुद्दों पर पोस्ट

सोनम ने उस शूट के लिए कहा कि अगर मैं अपनी बॉडी से जुड़ा कुछ भी पोस्ट करती हूं तो लोगों को हैरानी नहीं होनी चाहिए। मैं ऐसी इंसान हूं जो कि हमेशा डार्क सर्कल्स, पीसीओएस, वेट गेन और स्ट्रेच मार्क्स जैसे मुद्दों पर बोलती रही हूं।

#PushpaTheRule लॉन्च, शूटिंग से पहले ही फैन्स का दावा 1000 cr के पार होगी कमाई

नई दिल्ली ,एजेंसी। अल्लू अर्जुन के स्वैग के दीवानें उनके फैन्स के लिए सबसे बड़ी खबर ये है कि उनके स्टार अल्लू अर्जुन की ब्लॉकबस्टर हिट फिल्म पुष्पा-द राइज के पार्ट 2 की शूटिंग भी जल्द शुरू होने जा रही है। अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना की हिट जोड़ी एक बार फिर पुष्पा फिल्म के सीक्वल में धूम मचाने के लिए तैयार है। mythriofficial के ऑफिशियल पेज पर रविवार ही इस बात की घोषणा कर दी गई थी कि सोमवार को हैदराबाद में Pushpa 2 की पूजा सेरेमनी का आयोजन किया जाएगा। सोमवार को इसी इंस्टा पेज ने अपनी लेटेस्ट पोस्ट में Pushpa 2 की पूजा सेरेमनी की तस्वीर पोस्ट करते हुए Pushpa 2 की शूटिंग को हरी झंडी दिखा दी है। तस्वीर पोस्ट करते हुए Pushpa 2 को पहले से भव्य और धमाकेदार मूवी बताया गया है। फिल्म के पार्ट 2 को लेकर उत्साहित फैन्स धड़ाधड़ कमेंट्स कर रहे हैं। कुछ ने तो इस सीक्वल के लिए लिखा है-' 1000 cr+ Loading... पुष्पा फैन्स रिलीज से पहले ही इस फिल्म को सुपर डुपर हिट बता रहे हैं।

#PushpaTheRule सबसे प्रत्याशित सीक्वल

पुष्पा- द राइज बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त हिट रही थी। निर्माताओं ने इसके दूसरे भाग #PushpaTheRule के भी ब्लॉकबस्टर होने की घोषणा की है। फिल्म लवर्स शूटिंग शुरू होने के से पहले ही हर एक अपडेट का इंतजार कर रहे हैं। पुष्पा 2 के लॉन्च के मौके पर फिल्ममेकर्स ने जल्द ही शूटिंग शुरू करने की बात कही है। आपको बता दें फिलहाल ऑल अर्जुन न्यूयॉर्क में हैं। उन्हें न्यूयॉर्क में इंडिया परेड डे में ग्रैंड मार्शल की उपाधि से सम्मानित किया गया है। बता दें 29 जुलाई को ही अल्लू अर्जुन ने सिगार पकड़े हुए नमक-मिर्च वाला लुक पोस्ट किया। इसने अल्लू के प्रशंसकों को तुरंत सोचने पर मजबूर कर दिया कि क्या यह पुष्पा- द रूल से उनका लुक है। फैन्स के इसी उत्साह को देखते मेकर्स की पूरी कोशिश रहेगी की फिल्म की शूटिंग जल्द पूरी हो। फिल्म की स्टार कास्ट की बात करें तो नेशनल क्रश रश्मिका मंदाना एक बार फिर इस फिल्म में अल्लू अर्जुन की लव लेडी के किरदार में नजर आएंगी।

जबलपुर के आयुष श्रीवास्तव सोनी सब टीवी की मशहूर अलीबाबा दास्तान ए काबुल में

जबलपुर यशभारत। जबलपुर के उदीयमान कलाकार आयुष श्रीवास्तव ने अपने हुनर की दम पर भारतीय फिल्म एवं टेलीविजन की दुनिया में बनाई नई पहचान। आयुष ने अपनी अदाकारी से दिल जीतने वाले किरदार करते आ रहे है। अपने कैरियर में जानी-मानी फिल्मो में किरदार निभाए है और प्रसिद्धि हासिल की है जैसे जानी मानी फिल्म कलंक जिसमे वे वरुण धवन के साथ 2019 में और इसी वर्ष लव इंटरेस्ट में अपने अभिनय से पहचान बनाई। एचडी लव स्केन्डल्स एंड डॉक्टर ,अभय टीवी सीरीज, म्यूजिक एल्बम इश्क सुभान अल्लाह और सूर्यपुत्र कर्ण देव, आदि टीवी सीरियल्स में अपना स्थान बनाया है । साथ ही म्यूजिक वीडियोस टीवी एवम वेब कमर्शियल से अपनी अलग पहचान फिल्मी दुनिया में बनाई साथ ही साथ आयुष ने ऐड फिल्म ड्रीम 11 जोकि भारतीय क्रिकेट के सितारे एम एस धोनी के साथ पर आधारित थी मैं किरदार निभाया ।आयुष के बेहतरीन अदाकारी के चलते मशहूर प्लेबैक सिंगर, जुबिन नौटियाल और पंचगनी म्यूजिकल के एल्बम्स मे प्रमुखता से फीचर किया गया है। आयुष में भारतीय टेलीविजन में जाने-माने सोनी टेलीविजन के इश्क सुभान अल्लाह में अभिनीत कबीर के किरदार को बखूबी निभाया ।एटीएल बालाजी मेडिकल थ्रिलर जो कि एक लव स्कैंडल और डॉक्टर की कहानी है। आयुष ने होमोसेक्सुअल डॉक्टर की भूमिका निभाकर प्रसिद्धि हासिल की है। जबलपुर, मध्य प्रदेश के रहने वाले आयुष आज मुंबई में अपनी अदाकारी के दम पर नए-नए प्रयोग और प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं। अगस्त 2022 से शुरू च्सोनी सब चैनल पर अलीबाबा दास्ताने काबुल मैं आमिर खुसओ के रोल में अपने हुनर का जलवा दिखाएंगे। आयुष के पिता अनिल श्रीवास्तव जबलपुर में एक बैंक संस्थान के रिटायर्ड अधिकारी हैं और उनकी माताजी श्रीमती समता श्रीवास्तव विश्व स्तरीय जीवन कला सिखाने वाली संस्था आर्ट ऑफ लिविंग की मेंटर है।

अनुज को कृष्ण की तरह देख अनुपमा हुई खुश, गले से लगाया

नई दिल्ली, एजेंसी। रुपाली गांगुली स्टारर शो च्अनुपमाज घर -घर मे लोकप्रिय है। शो में लगातार आ रहे ट्विस्ट के कारण लोगों में इसे लेकर दिलचस्पी बनी रहती। हाल में स्टार प्लस के पॉपुलर शो अनुपमा में एक बड़ा ट्विस्ट देखने को मिला था। शो में अनुपमा के पति अनुज कपाड़िया और वनराज शाह का एक्सीडेंट हो जाता है। जिसके बाद से शो में लेकर दर्शकों की रुचि और भी बढ़ने लगी। आज के एपिसोड में डॉक्टर अनुज कपाड़िया का चेकअप करने के बाद अनुपमा को बताते है कि अनुज की तबीयत में सुधार हो रहा है। वह धीरे धीरे अपनी आंखें खोल रहा है जिसका मतलब है कि वह अब देखने के साथ ही साथ सुन भी सकता है। ऐसे में अनुज को एक बेहतर माहौल की जरूरत है। उधर पाखी, अधिक को वीडियो कॉल कर कहती है कि वनराज ,अनुज से मिलना चाहता है,और दोनों परिवारों के बीच चीजें कैसे बदल रही है। जिस सुन अधिक सोचता है कि वनराज के अनुज के घर आने पर बरखा उसकी बेज्जती करेगी और ये पाखी और इसके परिवार के साथ खेलने का एक अच्छा मौका होगा। ये सोचते हुए वो पाखी से अपने बर्ताव के लिए माफी मांग लेता है। अनुपमा ,अनुज की फाइल किसी को लाने के लिए कहती है तभी अनुज कृष्ण के तरह तैयार होकर अनुपमा के सामने उसे सरप्राइज देने आ जाता है। बरखा अनुपमा को ताना देते हुए पूछती है कि शाह परिवार से कोई नहीं आ रहा अनुपमा कहती है नहीं। बरखा मन ही मन सोचती है कि काश वनराज शाह यहां आ जाए और उसे ड्रामा करने मौका मिल जाए।

वनराज के घर आई पुलिस

वनराज अपने घर मे पुलिस को आता देख हैरान रह जाता है। पुलिस बताती है कि वो सुंदरलाल शाह को लेने आई है ।उधर अनुपमा अनुज की देख भाल कर रही है। और काव्या वनराज को चीयर करने की कोशिश कर रही है काव्य जानती है कि वनराज अनुज से मिलना चाहता है अनुपमा बापू जी को बुला कर कहती है कि ये पहली बार हमलोग अलग अलग फेस्विटवल मना रहे हैं। अनुपमा अनुज को कृष्ण की तरह तैयार करने के साथ- साथ अनुज के हाथों में बांसुरी पकड़ने को देती है। जो अनुज के हाथों से गिर जाती है। अनुपमा तैयार होकर आती है और अनुज से कहती है कि उसे ये बांसुरी उसके लिए पकड़ कर रखनी है।

COA नहीं संभालेंगे IOA का कामकाज, सुप्रीम कोर्ट ने यथास्थिति बनाए रखने का दिया आदेश

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की सर्वोच्च अदालत यानी सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के मामले में यथास्थिति बनाए रखने के अपने उस आदेश को सोमवार को बरकरार रखा, जिसमें कहा गया था कि दिल्ली हाई कोर्ट द्वारा नियुक्त तीन सदस्यीय प्रशासकों की समिति (सीओए) भारतीय खेलों की सर्वोच्च संस्था के कामकाज को नहीं संभालेगी। जस्टिस एस ए नज़ीर और जस्टिस जे के माहेश्वरी की पीठ ने आईओए

द्वारा दायर याचिका पर केंद्र और अन्य से जवाब भी मांगा। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कहा, च्नोटिस जारी किया गया है। अगले आदेश तक यथास्थिति बनी रहेगी। चार सप्ताह के बाद सूची तैयार करें ज्ज इस मामले में अगली सुनवाई अब चार सप्ताह बाद होगी। शीर्ष अदालत ने इससे पहले केंद्र और आईओए की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की उन दलीलों पर गौर किया कि इस आदेश का देश पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने इसके बाद आईओए के मामलों में यथास्थिति बनाए रखने के लिए अंतरिम राहत का आदेश दिया। उच्च न्यायालय द्वारा नियुक्त सीओए में उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति अनिल आर दवे, पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एस वाई कुरैशी और विदेश मंत्रालय के पूर्व सचिव विकास स्वरूप शामिल हैं। दिल्ली हाई कोर्ट ने 16 अगस्त को आईओए के मामलों के संचालन के लिए सीओए के गठन का आदेश दिया था।

शाहिद ने दी सिद्धार्थ-कियारा की शादी की हिंट, बच्चों पर करण जौहर बोले...

मुंबई, एजेंसी। कॉफी विद करण के अपकमिंग एपिसोड का प्रोमो रिलीज हो चुका है। इस बार शो के गेस्ट हैं प्रीति और कबीर सिंह यानी कियारा आडवाणी और शाहिद कपूर। शो की झलक देखकर लग रहा है कि एपिसोड काफी मसाले वाला होने वाला है। सिद्धार्थ करण के सवालों का काफी बिंदास अंदाज में जवाब देते नजर आए। वहीं कियारा ने सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ अपने रिलेशनशिप की हिंट दी। वहीं शाहिद ने इशारा किया कि इस साल के आखिर में कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा शादी के बंधन में बंध सकते हैं।

शाहिद के जवाब ने करण को किया दंग

करण जौहर ने कॉफी विद करण शो का प्रोमो अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है। उन्होंने लिखा है, यह जोड़ी अपनी ऑनस्क्रीन प्रजेंस से हर किसी का दिल पिघला चुकी है लेकिन काउच पर वे जितना कैंडिड हो सकते थे दिखे। करण शाहिद से पूछते हैं, आपका सबसे सेक्सी फीचर कौन सा है? इस पर शाहिद ने जवाब दिया, इस वक्त कैमरा पर नहीं दिख रहा है। वहीं शाहिद और करण ने सिद्धार्थ मल्होत्रा के नाम पर कियारा को छेड़ने की पूरी कोशिश की।

शादी की ओर था शाहिद का इशारा?

कियारा ने शाहिद को अपना बेस्ट फ्रेंड बताया। वहीं सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ डेटिंग के सवाल पर बोलीं, न तो मैं इनकार कर रही हूं और न ही एक्सेप्ट कर रही हूं। करण ने पूछा कि क्या वे दोनों क्लोज फ्रेंड्स हैं। इस पर कियारा बोलीं कि हां वे क्लोज फ्रेंड्स से ज्यादा हैं। इस पर शाहिद बोले कि दोनों खूबसूरत कपल है, वहीं करण बोले कि बच्चे कमाल के होंगे। शाहिद ने कुछ ऐसा कहा जिसे लोग सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी की शादी की हिंट मान रहे हैं। शाहिद बोलते हैं, इस साल के आखिर में बड़े अनाउंसमेंट के लिए तैयार रहिए और यह फिल्म नहीं है।

गांधी के विचारों से दूर जाती युवा पीढ़ी को सही दिशा दिखाने की पहल

यात्रा के सूत्रधार शहर के तीन वरिष्ठ पत्रकार काशीनाथ शर्मा ,रविंद्र दुबे और गंगा चरण मिश्र थे। इनसे यश भारत द्वारा विशेष परिचर्चा

जबलपुर ,यशभारत। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के विचारों से दूर जाती युवा पीढ़ी को सही दिशा दिखाने और उनके विषय में हो रहे भ्रामक प्रचार पर रोकने, उन्हें जगाने के उद्देश्य से शहर में पिछले दिनों पैदल मार्च निकाला गया ,जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और गांधी के सिद्धांतों पर आगे बढ़ने की बात कही। इस यात्रा के सूत्रधार शहर के तीन वरिष्ठ पत्रकार काशीनाथ शर्मा ,रविंद्र दुबे और गंगा चरण मिश्र थे। इनसे यश भारत द्वारा विशेष परिचर्चा की गई ।

तीनों वरिष्ठ पत्रकारों ने कार्यक्रम के संचालक आशीष शुक्ला से यात्रा की जरूरत और उससे आने वाल वाले परिणामों के साथ- साथ साथ गांधी के विचारों के महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की। जिसे आप यश भारत न्यूज़ चैनल व यश भारत के सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर विस्तार से देख सकते है।

गांधी के बारे में गलत राय बन रही है

चर्चा की शुरुआत में कार्यक्रम के संचालक आशीष शुक्ला ने वरिष्ठ पत्रकार काशीनाथ शर्मा से सवाल किया कि आखिर इस यात्रा की जरूरत क्यों महसूस हुई जिसके जवाब में काशी नाथ शर्मा ने बताया कि वर्तमान परिदृश्य में महात्मा गांधी को लेकर अपमानजनक टिप्पणियां और व्यवहार बढ़ता जा रहा है और ऐसा काम वे लोग कर रहे हैं जो ना तो गांधी को जानते हैं ना उन्होंने गांधी को पढ़ा है और ना गांधी को समझा है । उसके बाद भी वह गांधी के विषय में प्रतिक्रिया दे रहे हैं जिसके चलते युवाओं के मन में एक राय बनाई जा रही है जिसमें उन्हें यह बताया जाता है कि गांधी विभाजनकारी थे। इन्हीं सब बातों को रोकने यह प्रयास प्रारंभ किया गया है ताकि युवा पीढ़ी गांधी के बारे में जाने और उसे पढ़े जिससे उन्हें प्रेरणा मिल सके।

विश्वास का संकट पैदा हो गया है

वरिष्ठ पत्रकार रविंद्र दुबे ने चर्चा के दौरान बताया कि वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में गांधी बड़े प्रासंगिक है। क्योंकि जो परिदृश्य निर्मित हो रहा है उसमें पूरी दुनिया में विश्वास का संकट पैदा हो गया है लेकिन गांधीजी आजादी के पहले भी और आज 75 वर्षों के बाद भी विश्वास का प्रतीक बने हुए हैं , जिसको लेकर उन्होंने जयप्रकाश नारायण और उनकी धर्मपत्नी प्रभादेवी के ब्रह्मचर्य स्वीकार करने और उसमें महात्मा गांधी के आश्रम में रहने के दौरान हुई घटनाओं और पत्राचार के अंश चर्चा के दौरान बताएं। जिसमें गांधी के प्रति लोगों का विश्वास स्पष्ट पता चलता है।

गांधी ने जोड़ने का काम किया

नई पीढ़ी और गांधी के विषय में वरिष्ठ पत्रकार गंगाचरण मिश्र ने बताया कि गांधी ने देश को जोड़ने का काम किया है लेकिन कुछ लोग गलत तथ्य सामने रखकर युवा पीढ़ी को बरगलाने कोशिश कर रहे हैं कि गांधी ने देश को तोड़ा है जो कि राष्ट्रपिता का अपमान है इस तरह की स्थिति को देखकर उनके मन में दुख होता है जिसके चलते यह प्रयास शुरू किया गया है ताकि युवा पीढ़ी गांधी के बारे में पढ़ कर उनके विचारों से जुड़ सके। क्योंकि गांधी एक विचारक थे। वर्तमान समय में युवाओं को गांधी को पढ़ना चाहिए और समझना चाहिए ,क्योंकि कुछ लोग इस तरह का माहौल बना रहे हैं जिसमें आजादी को भीख में मिली हुई वस्तु बताया जा रहा है । जबकि आजादी के लिए गांधी ने कितनी यातनाएं झेलींऔर कितनी जेल यात्रा की । यह इतिहास का एक हिस्सा है।

चर्चा के दौरान तीनों ही वरिष्ठ पत्रकारों ने इस मुहिम को आगे बढ़ाने की बात कही और बताया कि आने वाले समय में भी वे गांधी के विचारों को लेकर लोगों के बीच जाते रहेंगे । खासतौर पर युवा पीढ़ी को गांधी से जुड़ने के लिए उनके प्रयास सतत रूप से जारी रहेंगे और आने वाले समय में यह एक बड़ा जनआंदोलन बनकर निकलेगा।

विस्थापितों की गुहार हमारी भी सुने सरकार !

—अनुराग तिवारी—

जबलपुर,यशभारत। तंबुओं में खेल रहे नौनिहाल....। आफत की बारिश में सिर छुपाने भी जगह नहीं....। 4 सालों से बच्चों ने विद्यालय नहीं देखा ....। मरीज हो तो दम तोड़ दे.क्योंकि इसके सिवाए कोई रास्ता नहीं....। कीचड़ से सनी हुई जर्जर सड़कें....और इन सबके बीच दो जून की रोटी के लिए जद्दोजहद करतीं जिंदगियां....। यह दर्दनाक हालात हैं मदनमहल के विस्थापितों का। जो यहां नारकीय जीवनजी रहे हैं, जिन्हें पहाड़ी का प्राकृतिक सौन्दर्य बरकरार रखने के नाम पर विस्थापित कर तिलहरी फेस 1 और फेस 2 में स्थापित कर दिया गया। दावा किया गया कि यहां मूलभूत सुविधाओं सहित तमाम संसाधन उपलब्ध कराए जाएंगे ,ये दावे खोखले निकले। यशभारत की टीम ने जब मौके पर जाकर पड़ताल की तो लगा कि यहां दाल में कुछ काला नहीं है, बल्कि पूरी की पूरी दाल ही काली है।

आफत की बारिश ने शहर में बारिश की तैयारियों की हकीकत सबके सामने ला दी। इसका सबसे ज्यादा बुरा असर सकरी गलियों और निचले हिस्सों में रहने वाले लोगों पर हुआ। वहीं दूसरी ओर मदन महल पहाड़ियों के विस्थापितों के तंबूनुमा घरों को बारिश ने तहस-नहस कर दिया । घर के पीछे बने खेतों में बारिश का पानी भर गया। इस वजह से सैकड़ों विस्थापित लोगों का घरों में रखा सामान गीला हो गया और घुटनों तक पानी भर जाने की वजह से लोग रात भर परेशान थे और तो और जीव जंतुओं का खतरा बरकार हैं। यहा विषधर घूमते रहते हैं जिनसे विस्थापित खौफ जदा हैं।

नारकीय जीवन जीने विवश.

नारकीय जीवन जीने विवश यहां के विस्थापितों का कहना है कि बरसात में तिरपाल से पानी टपकता है, गर्मी में लू के थपेड़े झेले और ठंड में भगवान ही मालिक है। मदन महल पहाड़ी के विस्थापितों को तिलहरी में रहते करीब चार साल हो गए, परंतु अब भी अनेक रहवासियों को आशियाने नहीं मिले। वे इंतजार ही कर रहे हैं। पीएम आवास योजना के तहत भवनों का निर्माण शुरू हो गया, परंतु रोजगार से लेकर आवश्यक इंफ्रास्ट्रक्चर का उनके सामने संकट है। उन्हें सांप, बिच्छू जैसे जहरीले जीवों का भी खतरा रहता है।

नौनिहाल 4 साल से रह रहे तंबुओं में , ना शिक्षा ना रोजगार

कीचड़ से सनी सड़कों में पैर रखने से ही कांप जाती है रूह ...

बच्चों को पढ़ने दूर जाना पड़ता है।

4 साल से स्कूल का बच्चों ने नहीं देखा मुंह

मदनमहल के विस्थापितों के दर्जनों बच्चे, यहां तिलहरी में चार साल से रह रहे है। लेकिन अधिकतर बच्चों ने स्कूल का मुंह नहीं देखा। यहां 2 जून की रोटी का जुगाड़ करना मुश्किल हो रहा है। शहर तो दूर इस बसाहट में भी कदम रखने से रूह कांप जाती है। यहां रोड के नाम पर कीचड़ से सने हुए गड्ढे और वनवासियों की तरह

जीवन यापन करने वाले विस्थापित शासन -प्रशासन की घोर यातनाओं का शिकार हैं। जिम्मेदारों ने विस्थापितों को बसाकर वाहवाही तो लूट ली लेकिन फिर दोबारा पलट कर भी नहीं देखा । शिक्षा से वंचित नौनिहाल स्कूल का सपना सजाए बरबस निगाहों से माता -पिता की ओर ताकते रहते हैं लेकिन मजबूर और गरीब विस्थापित असहाय हैं। बारिश होते ही यहां के लोग दहशत के साए में अपनी झोपड़ियों में दुबक जाते हैं और ठंड में घास फूस के बिस्तर में मजबूरन जिंदगी काट रहे हैं । उनकी असली परीक्षा प्रचंड गर्मी में होती है। **फोटो-हंसराज**

इन्होंने कहा

चार साल से तिलहरी फेस 2 में है। यहां तंबुनुमा मकान में बेटा और बहू रह रहे हैं। रोजगार के कोई साधन नहीं है। यहां से दूर जाकर दो जून की रोटी का जुगाड़ करना पड़ता है।

संजी बाई बेन.....

- मकान नहीं बना है, तंबु में रहने मजबूर है। कोई देखने नहीं आता। पहले वायदा किया था कि सभी सुविधाएं देंगे, लेकिन स्थिति नारकीय है। हम क्या करें.....

गीता बाई तिलहरी विस्थापित

विवेक तन्खा की गैरमौजूदगी में बिखरने लगी कांग्रेस

स्वास्थ्य कारणों के चलते किसी से मिल नहीं रहे थे राज्यसभा सांसद ,अब फिर संभाली कमान

जबलपुर यश भारत। पिछले 20 दिनों से कांग्रेस पार्टी में उठापटक स्थिति बनी हुई है। पिछले महीने हुए महापौर चुनावों के दौरान जहां संगठन की एकता और नेताओं की जुगलबंदी देखने को मिली थी जो 20 दिन से कहीं गायब सी हो गई है। चाहे एमआईसी का गठन हो या पार्टी स्तर पर होने वाले कार्यक्रम हर जगह अपनी ढपली अपना राग दिख रहा है। इसको लेकर एकाएक सवाल भी उठने लगे हैं कि ऐसा क्या हुआ कि एक सेना की तरह चुनावों में उतरने वाली कांग्रेस पार्टी जीत के बाद एकाएक बिखराव की तरफ चली गई। जिसकी शुरुआत एमआईसी की घोषणा के साथ हुई जैसे ही एमआईसी का गठन हुआ विरोध के स्वर मुखर हो गए कुछ लोगों ने पार्टी स्तर पर अपना विरोध दर्ज कराया तो कुछ लोग सोशल मीडिया पर खुलकर बयानबाजी करने लगे यहां तक तो ठीक था । हद तो तब हो गई जब एक बड़ा कांग्रेसी नेता खुलकर पार्टी और संगठन के खिलाफ मैदान में उतर गया। ऐसे में इस बात का पता करना जरूरी था कि कारण क्या है। जिसके चलते चंद दिन पहले सत्ता के खिलाफ ताल ठोंक कर निगम की कुर्सी पर जीत दर्ज करने वाली पार्टी अपने ही घर में बंट गई, जिसको लेकर तरह-तरह की बातें भी शुरू हो गए कोई कहने लगा सत्ता के साइड इफेक्ट तो कोई कहने लगा सत्ता में भागीदारी की लड़ाई लेकिन इस का वास्तविक कारण है नेतृत्व हीनता। जिसे इस तरीके से समझा जा सकता है कि चुनावों के दौरान भी भाजपा द्वारा आपसी गुटबाजी और भितरघात की बातें कांग्रेस के लिए कहीं जा रही थी ,लेकिन उस दौरान सभी वरिष्ठ नेताओं और विधायकों को एक धागे में पिरोने के लिए विवेक तन्खा 1 सप्ताह तक जबलपुर में डेरा जमाए रहे ,जिसका फायदा कांग्रेस को हुआ जो परिणामों में झलक रहा है। अब सवाल यह उठता है कि ऐसा क्या हुआ कि जो नेता एक स्वर में कांग्रेस की मजबूती की बात कर रहे थे वह अपने-अपने स्वर अलापने लगे हैं , जिसका कारण है पिछले 20 दिनों से शहर की राजनीति में विवेक तन्खा की गैरमौजूदगी । एम आई सी के गठन से लेकर अन्य संगठनात्मक कार्यक्रमों में उनकी गैर मौजूदगी रही, जिस कारण इस तरह की स्थिति निर्मित हुई है अनुशासनहीनता और गुटबाजी साफ देखी जा रही है । सूत्रों की मानें तो स्वस्थ होने के बाद राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा फिर से सक्रिय हुए हैं और बगावती तेवर दिखाने वाले नेताओं को साधने के लिए उन्होंने प्रयास शुरू कर दिए हैं जिसके परिणाम जल्द ही देखने को मिलेंगे।

अब नई शृंखला के साथ
KARAN SHOES
MALVIYA CHOWK | ANAND CINEMA ROAD NEAR 4th BRIDGE | KATANGA CROSSING | NAYA BAZAR MALVIYA CHOWK

गैलेक्सी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल
मध्य भारत का तेजी से उभरता हुआ, सर्वप्रथम होलीस्टिक हॉस्पिटल
आयुष्मान एवं सभी प्रकार के टीपीए की सुविधा
आर्यरा AaryAra (illuminate AspiratioN)
उखरी तिराहा, विजय नगर, जबलपुर (मप्र)-482003
0761-4017010, 4027010, 2647010 Helpline 881983000,7777877708
galaxyhospitaljbpweb@gmail.com, galaxyhospitaljbp2020@gmail.com www.galaxyhospitaljbp.com

ADMISSION OPEN
30 वर्षों से तकनीकी शिक्षा में अग्रसर
शासन द्वारा पुरस्कृत/उत्कृष्ट प्रशिक्षण संस्थान
भारतीय I.T.I.
DGT & NCVT Govt. of India
इलेक्ट्रिशियन Two Year Engg. Trade फिटर
छात्रवृत्ति सुविधा व प्रशिक्षण पश्चात् रोजगार के सुअवसर
भारतीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था
चौरसिया होटल के सामने, शारदा चौक, मदन महल, जबलपुर
0761:4003860, 9425150550, 8770094210, 7974960286

Since -1992 ADMISSION OPEN हिन्द ITI
AFFILIATED BY DGT & NCVT (GOVT. OF INDIA) Skill India
ELECTRICIAN 2 Year Engg. Trade Traning With Placement
★ Study With Practical
★ Scholarship Facilities
★ Free Computer Traning Education
★ Free Industrial / Educational Visit
★ Special Career Guidence / Job Placement
N.H. 7 MANSAKRA NAKA, SIHORA, JABALPUR (M.P)
Contact - 9425162863, 9424659053, 8770570620, 8770094210

हृदय रोग जांच एवं परामर्श
डॉ. इसरार अहमद
M.B.B.S., PGDCC (Dip.Card), CCEBDM, FNIC
Fellowship in Echocardeography
हार्ट अटेक (हृदयाघात) सीने में दर्द व भारीपन | उच्च रक्तचाप बी.पी.का बढ़ना या घटना | घबराहट व धड़कन बढ़ना बिना वजह पसीना आना
दिन- सोमवार से शनिवार समय- शाम 6:30 से 10:00
मो. 9717459755/फोन-0761-2443366
पता-1969,नाज मेडिकल हाईकोर्ट रोड रद्दी चौकी, जबलपुर

महाकौशल का सबसे आधुनिक ICU, जबलपुर में आपकी सेवा में 24 घंटे
LIFE CARE ICU, Mukherjee Hospital
हमारे यहां उपलब्ध विशेषज्ञों की टीम व सुविधाएं
डॉ अभिजीत मुखर्जी (वरिष्ठ हड्डी रोग एवं ट्रामा विशेषज्ञ)
डॉ प्रशांत कुशवाहा (वरिष्ठ न्यूरोसर्जन)
डॉ हर्ष सक्सेना (वरिष्ठ न्यूरोसर्जन)
डॉ हर्ष सक्सेना (वरिष्ठ न्यूरोसर्जन)
डॉ तरून नागपाल (वरिष्ठ न्यूरोलॉजिस्ट)
डॉ एम. चंसोरिया (वरिष्ठ ICU विशेषज्ञ)
डॉ नेहा चंसोरिया B.D.S, M.D.S. (वरिष्ठ दंत एवं जबड़ा रोग विशेषज्ञ)
डॉ विशाल वडेरा (वरिष्ठ किडनी रोग विशेषज्ञ)
डॉ अखिलेश पटेल (छाती एवं स्वांस रोग विशेषज्ञ)
सुविधाएं
हड्डी की चोट का इलाज व ऑपरेशन, सिर की चोट, हेड इन्जूरी, रीढ़ की हड्डी की चोटों का इलाज व ऑपरेशन, लकवा, मिर्गी एवं दिमागी बुखार का इलाज, जहरीली वस्तु का सेवन (Poison Unit), सर्पदंश उपचार, गंभीर लीवर की बिमारी, किडनी की बीमारी (पथरी), डायलिसिस सुविधा उपलब्ध, हर प्रकार के पेट के रोगों का ऑपरेशन,Burn Unit (जले हुए मरीजों का इलाज), महाकौशल के सबसे आधुनिक वेन्टीलेटर उपलब्ध, 24 घंटे डायलिसिस की सुविधाएं
1933, प्रेम मंदिर के पास, राइट टाउन, जबलपुर | 07614038666, 7049079825 | 9300920067

Roasted Food Junction
जनता साइकिल के बाजू से बड़ी ओमती चौक, जबलपुर
न्यू शो रूम
फ्रुट आयटम उपलब्ध
→रोस्टेट नमकीन →सत्तू →मूंगफली की लड़या →रोस्टेट ड्राई फ्रूड
→वेक्ड टोस्ट →करेला चिप्स →पीनट चिक्की →ड्राईभेल →बिस्केट
→फुल्की →रोस्टेड मूंगफल्ली →सिंधी पापड़ →चने
AK's Special
मनोज संगतानी मो. 9301997304, 7987145201

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आशीष शुक्ला द्वारा जनपक्ष प्रिंटिंग एवं पब्लिशिंग, गोपालबाग जबलपुर-2 से मुद्रित एवं 160/जी, जेडीए योजना क्रमांक 11 सेकेण्ड फेस, शताब्दीपुरम, विवेकानंद वार्ड, जबलपुर से प्रकाशित। सम्पादक श्याम कटारे*। फोन (0761) 2643333, 2646666, फैक्स : 4084085
डाक पंजीयन क्रं. एसएसपी/ जबलपुर/26/2022-24 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार। RNI No. MPHIN/2007/18675. email - jabalpur@yashbharat.com (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार जबलपुर)